E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 251 | गुवाहाटी | रविवार, 13 अप्रैल, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

कुछ ताकतें हमें धर्म बदलने के लिए मजबूर करना चाहती हैं, हमें लालच में नहीं ... पेज 2

अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एपीडा के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन... पेज 3

कल हरियाणा आ रहे प्रधानमंत्री मोदी, देंगे कई सौगात पेज 5

महिला कबड्डी विश्व कप : राजगीर में महिला कबड्डी विश्व कप का आयोजन... पेज 7

मुर्शिदाबाद हिंसा पर सीएम डॉ. शर्मा ने ममता पर कसा तंज, कहा–

40 परसेंट मुस्लिम आबादी फिर भी असम में शांति

पुलिस ने हिंसा को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर काम किया

गुवाहाटी। वक्फ कानून को लेकर देश के अलग-अलग हिस्सों में मुसलमानों का विरोध प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। पश्चिम बंगाल में तो इसको लेकर हिंसा हो गई। वहीं, असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार (12 अप्रैल, 2025) को कहा कि उनके राज्य बहुत कम विरोध प्रदर्शन हुए और शांति बनी रही। सीएम शर्मा ने कहा कि राज्य में लगभग 40 प्रतिशत मुस्लिम आबादी है, फिर भी हाल ही में पारित वक्फ कानून को लेकर सीमित विरोध हुआ और राज्य में शांतिपूर्ण माहौल बना रहा। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर शर्मा ने लिखा कि लगभग 40 प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के बावजूद, असम में आज शांतिपूर्ण स्थिति बनी हुई है, सिवाय तीन स्थानों पर छिटपुट विरोध प्रदर्शनों के, जिनमें प्रत्येक में वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ 150 से अधिक प्रतिभागी शामिल नहीं थे। कानून प्रवर्तन एजेंसी के किए गए ग्राउंडवर्क को इसका क्रेडिट देते हुए उन्होंने कहा कि असम पुलिस को उनके व्यापक जमीनी कार्य के लिए मेरी बधाई, जिसने शांति और व्यवस्था बनाए रखने में मदद की। असम भर में लोग जाति, पंथ, या समुदाय और धर्म से परे भावना में एकजुट हैं और हमारे प्रिय बोहाग बिहू का स्वागत खुशी और सद्भाव के साथ करने की उत्सुकता से तैयारी कर रहे हैं। हालांकि राज्य के कई हिस्सों में मुस्लिम समूहों ने वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया, लेकिन इसमें बहुत कम लोग शामिल हुए। बजट सत्र के दौरान संसद में पारित होने के बाद 5 अप्रैल को वक्फ बिल को राष्ट्रपति की मंजूरी मिल गई। राज्यसभा ने इस विधेयक को 128 मतों के साथ पारित किया, जबकि 95 मतों के *-शेष पृष्ठ दो पर*

असम सामाजिक बुराइयों के खिलाफ निर्णायक कदम उठा रहा है : सीएम शर्मा

गुवाहाटी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि असम सरकार डायन-बिसाही और मानव तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों के खिलाफ कड़ी और निर्णायक कार्रवाई कर रही है। शर्मा ने एक्स को लिखा कि सामाजिक बुराइयों को जड़ से खत्म करना। असम में हम डायन-बिसाही और मानव तस्करी जैसी सामाजिक बुराइयों पर सख्ती से कार्रवाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने ऐसे मुद्दों से निपटने के लिए जनभागीदारी का एक मॉडल स्थापित किया है, जहां जनता और सरकार मिलकर सभी के लिए सुरक्षित माहौल सुनिश्चित कर रहे हैं। इस मॉडल में अग्रणी भूमिका में मानव तस्करी रोधी इकाइयां (एएचटीयू) थीं, जिन्हें राज्य भर के 35 जिलों में रणनीतिक रूप से स्थापित किया गया था। प्रशिक्षण, प्रौद्योगिकी और दृढ़ता से सुसज्जित इन विशेष टीमों ने मानव शोषण के अंधेरे पहलू पर कड़ा प्रहार किया। सीएम ने अपने एक्स पोस्ट में कहा कि उनके प्रयास सफल रहे – 700 से अधिक तस्करों को गिरफ्तार *-शेष पृष्ठ दो पर*

सीएम को भ्रम में नहीं रहना चाहिए, सभी मुसलमान नाखुश हैं : एआईयूडीएफ

गुवाहाटी। अल्पसंख्यक आधारित ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) ने कहा कि असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा शर्मा को इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि राज्य के मुसलमान संशोधित वक्फ अधिनियम का विरोध नहीं करेंगे। एआईयूडीएफ ने मुख्यमंत्री के सोशल मीडिया पर किए गए दावे पर प्रतिक्रिया व्यक्त की कि असम में लगभग *40 प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के बावजूद* शांतिपूर्ण स्थिति बनी हुई है, तथा वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ *तीन स्थानों पर अलग-अलग विरोध प्रदर्शनों* में प्रत्येक में 150 से अधिक प्रतिभागी *-शेष पृष्ठ दो पर*

पंचायत चुनाव में लगभग 60 प्रतिशत महिला उम्मीदवार मैदान में

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को कहा कि आगामी पंचायत चुनावों में लगभग 60 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों का एक बड़ा वर्ग 40 वर्ष से कम आयु का है। सीएम शर्मा ने एक्स हैंडल पर लिखा कि #असमपंचायतचुनाव के लिए नामांकन कल संपन्न हो गया। हमारे 59 प्रतिशत उम्मीदवार महिलाएं हैं। बड़ी संख्या में महिलाएं 40 वर्ष से कम उम्र की भी हैं और कई पहले ही निर्विरोध जीत चुकी हैं। एनडीए भारी जीत की ओर बढ़ रहा है। असम में पिछले वर्ष दिसंबर में पंचायत चुनाव होने थे, लेकिन *-शेष पृष्ठ दो पर*

त्रिपुरा में वक्फ कानून के विरोध में हिंसक प्रदर्शन, 18 पुलिस कर्मी घायल

अगरतला। त्रिपुरा के उनाकोटी जिले में शनिवार को वक्फ कानून वापस लेने की मांग को लेकर विरोध रैली निकाली गई। इस दौरान भीड़ हिंसक हो गई और पुलिस पर पथराव किया। लोगों ने पुलिस पर बोतलें भी फेंकी। प्रदर्शनकारियों की पुलिस कर्मियों के साथ हाथापाई हुई। इस दौरान एक एसडीपीओ समेत 18 पुलिस कर्मी घायल हो गए। पुलिस ने हमले में कथित संलिप्तता के लिए आठ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, कांग्रेस के उनाकोटी जिला अध्यक्ष मोहम्मद बदरुज्जमां की अध्यक्षता में संयुक्त आंदोलन समिति के बैनर तले करीब 4,000 लोगों ने वक्फ कानून वापस लेने की मांग को लेकर एक विशाल रैली निकाली। रैली के कुबजर इलाके में पहुंचने पर भीड़ हिंसक हो गई। जब पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने का प्रयास किया तो प्रदर्शनकारियों ने पुलिस कर्मियों पर पथराव किया और बोतलें फेंकी। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले *-शेष पृष्ठ दो पर*

सुप्रभात

क्रोध मस्तिष्क के दीपक को बुझा देता है।

-इंगरसोल

असम में दुर्लभ प्रजाति की छिपकलियां बरामद, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। असम के डिब्रूगढ़ जिले में पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन लोगों के कब्जे से दुर्लभ प्रजाति की छिपकली टोकाय गेको की 11 छिपकलियों को बरामद किया है और तस्करों को गिरफ्तार किया है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इन छिपकलियों की भारी मांग है, लेकिन भारत में इनका निर्यात पूरी तरह से प्रतिबंधित है। टोकाय गेको प्रजाति की छिपकली को वाइल्डलाइफ प्रोटेक्शन एक्ट 1972 के तहत अति संकटग्रस्त प्रजातियों में शामिल किया गया है। इन छिपकलियों की तस्करी करने के मामले में अगर कोई दोषी पाया जाता है तो उसे अधिकतम सात *-शेष पृष्ठ दो पर*

मुर्शिदाबाद हिंसा में तीन लोगों की मौत, 110 गिरफ्तार एचसी ने दिए केंद्रीय बल की तैनाती के निर्देश

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून के विरोध के दौरान भड़की हिंसा पर कलकत्ता हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। जानकारी के मुताबिक, उच्च न्यायालय ने मुर्शिदाबाद जिले में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश दिया है। बता दें कि, केंद्र सरकार की तरफ से वक्फ संशोधन विधेयक को जब संसद में पेश किया गया, उसी वक्त ही राज्य में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए थे। लेकिन जब ये विधेयक संसद से पास होकर कानून बना तो प्रदर्शन हिंसक हो गए। मालूम हो कि पश्चिम बंगाल के कई जिलों में वक्फ कानून के खिलाफ उग्र प्रदर्शन देखने को मिल रहा है। शुक्रवार को मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ संशोधन कानून के विरोध के दौरान हिंसा भड़क गई। इस हिंसा में तीन लोगों लोगों की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार, जिले के शमशेरगंज में एक घर से पिता-पुत्र की रक्तरंजित लाश बरामद हुई है। उनके शरीर पर अनेक जगहों पर जख्म के निशान हैं। वहीं, सूती में यह किशोर की गोली लगने से मौत हो गई है। मुर्शिदाबाद में भड़की हिंसा के सिलसिले में 110 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। शुक्रवार को हिंसा के दौरान पुलिस वैन सहित कई वाहनों में आग लगा दी गई। सुरक्षा बलों पर पथराव *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

राष्ट्रपति ने बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख की शुभकामनाएं दीं

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने 13, 14 और 15 अप्रैल को मनाए जाने वाले वैशाखी, विषु, बाहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि और पुतांदु पिरापु की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। राष्ट्रपति ने शनिवार को अपने संदेश में कहा कि वैशाखी, *-शेष पृष्ठ दो पर*

अलकनंदा में समाई थार पांच की मौत

पौड़ी गढ़वाल (हि.स.)। ऋषिकेश-बदरीनाथ हाइवे पर भल्लेगांव के समीप एक थार अनियंत्रित होकर अलकनंदा में समा गई। हादसे में पांच की नदी में डूबने से मौत हो गई है। मृतकों में तीन किशोर हैं। एक गंभीर रुप से घायल महिला का बेस अस्पताल श्रीनगर में उपचार चल रहा है। कार में दो परिवार के छह लोग सवार थे। जो एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गौचर जा रहे थे। शनिवार को ऋषिकेश-बदरीनाथ हाइवे पर भल्लेगांव *-शेष पृष्ठ दो पर*

धुबड़ी गर्ल्स स्कूल में खराब प्रदर्शन को लेकर चिंता, 72 छात्राएं फेल

धुबड़ी। लगातार दूसरे वर्ष अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए, हाल ही में घोषित कक्षा 10 की बोर्ड परीक्षाओं में लड़कों ने लड़कियों से बेहतर प्रदर्शन किया है। लड़कों ने 67.5 प्रतिशत सफलता हासिल की, जबकि लड़कियों का आंकड़ा 61.09 प्रतिशत रहा। इस निराशाजनक प्रदर्शन के बीच, धुबड़ी के विद्यापाड़ा गर्ल्स हाई स्कूल ने गलत कारणों से ध्यान आकर्षित किया है – इस साल इसके 72 कक्षा दसवीं के छात्रों में से कोई भी एचएसएलसी परीक्षा पास करने में कामयाब नहीं हो पाया। स्कूल के शैक्षणिक प्रभारी और प्रधानाध्यापक मोहम्मद इकबाल जुल्फिकार खांडाकर ने इस घटना की पुष्टि करते हुए इसे *गहरी स्तब्धता और चिंतन का क्षण* बताया। उन्होंने राज्य शिक्षा विभाग से शैक्षणिक स्तर में और गिरावट को रोकने के लिए तत्काल सुधार शुरू करने का आह्वान किया। खांडाकर ने बताया कि यह परिणाम निराशाजनक से भी अधिक है – यह एक चेतावनी है। *-शेष पृष्ठ दो पर*

खराब नतीजों को लेकर गुवाहाटी के पांच हाई स्कूलों पर होगी कार्रवाई

गुवाहाटी। कामरूप (मेट्रो) जिला सर्कल के स्कूल निरीक्षक ने 2025 हाई स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट (एचएसएलसी) परीक्षा में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद गुवाहाटी के पांच सरकारी हाई स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। इन स्कूलों – बरसोजाई हाई स्कूल, मालीगांव हाई स्कूल, एनपीएमई हाई स्कूल, पिलिंगकाटा हाई स्कूल और दिसपुर गवर्नमेंट हाई स्कूल – में उत्तीर्ण प्रतिशत 25 प्रतिशत से कम दर्ज किया गया, *-शेष पृष्ठ दो पर*

मणिपुर में कानून-व्यवस्था में हुआ सुधार जल्द ही बनेगी नई सरकार : भाजपा विधायक

इंफाल। मणिपुर के एक भाजपा विधायक ने शनिवार को दावा किया कि राज्य में कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है और उम्मीद जताई कि जल्द ही नई सरकार बनेगी। भाजपा विधायक टी. रोबिंद्रो ने कहा कि मैतेई और कुकी नागरिक समूहों के बीच शांति वार्ता भी शुरू हो गई है। काकचिंग जिले में पत्रकारों से बातचीत करते हुए टी. रोबिंद्रो ने कहा कि, कानून-व्यवस्था में काफी सुधार हुआ है। हमें पूरा विश्वास है कि केंद्र जल्द से जल्द नई सरकार का गठन करेगा। मैतेई और कुकी समूहों के बीच शांति वार्ता शुरू हो गई है। हमारा मानना है कि शांति लाने में सहायता के लिए निकट भविष्य में मैतेई और कुकी विधायकों के बीच बातचीत होगी। मुझे विश्वास है कि जल्द ही नई सरकार बनेगी। थंगा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक टी. रोबिंद्रो ने कहा कि हमारे (भाजपा विधायकों) बीच नेता चुनने में कोई असमर्थता या मतभेद नहीं है। हम सभी एकजुट हैं। हम मणिपुर का विभाजन नहीं होने देंगे और सभी राज्य के लिए एकजुट रहेंगे। बता दें कि, मई 2023 में इंफाल घाटी *-शेष पृष्ठ दो पर*

जर्मनी में भारी पड़ा चीटियों का आतंक बिजली-इंटरनेट की लगाई वाट

बर्लिन। जर्मनी में एक आक्रामक और विदेशी चींटी की प्रजाति ने कहर मचा कर रखा है। ये चीटीं *टैपिनोमा मैग्नम* प्रजाति की हैं। भूमध्य सागरीय यानी मेडीटरेनियन क्षेत्र से आई यह चींटी अब उत्तर जर्मनी की ओर तेजी से फैल रही हैं। इसके कारण बिजली और इंटरनेट सेवाएं तक बाधित हो रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इस प्रजाति की विशाल कॉलोनियां न केवल तकनीकी ढांचे को नुकसान पहुंचा रही हैं, बल्कि इंसानी जीवन को भी प्रभावित कर रही हैं। कार्लस्रूहे के प्राकृतिक इतिहास संग्रहालय से जुड़े एक कीट विशेषज्ञ मैनफ्रेड वेर्हाग के मुताबिक, टैपिनोमा मैग्नम की सुपर कॉलोनियों में लाखों चींटियां होती हैं। ये पारंपरिक चींटी प्रजातियों से कई गुना बड़ी होती हैं। ये कॉलोनियां जर्मनी के कोलोन और हनोवर जैसे उत्तरी शहरों तक पहुंच चुकी हैं। इससे वहां की तकनीकी संरचना जैसे बिजली आपूर्ति और इंटरनेट नेटवर्क तक खतरे में हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि यह चींटी खास तौर पर बाडेन-वुर्टेम्बर्ग और आसपास *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

कुछ ताकतें हमें धर्म बदलने के लिए मजबूर करना चाहती हैं, हमें लालच में नहीं आना है : भागवत

वलसाड। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि धर्म ही ऐसा रास्ता है जो सबको सुख की ओर ले जा सकता है। उन्होंने कहा कि दैनिक जीवन में लालच, डर या प्रलोभन का सामना करना पड़ सकता है, और वे लोगों को उनके धर्म से भटका सकते हैं, लेकिन हमें लालच या भय के कारण अपने धर्म को नहीं बदलना चाहिए। आरएसएस प्रमुख गुजरात के वलसाड जिले के बारुमल में सद्गुरुधाम में श्री भाव भावेश्वर महादेव मंदिर के रजत जयंती समारोह में बोल रहे थे। आरएसएस प्रमुख भागवत ने समारोह में बोलते हुए कहा कि कुछ ताकतें हैं जो हमें धर्म बदलने के लिए मजबूर करना चाहती हैं, लेकिन हमें ऐसे किसी लालच या डर में नहीं आना चाहिए। धर्म हमें जोड़ता है और सही रास्ते पर ले जाता है। उन्होंने कहा कि हम एकजुट होना जानते हैं और एकजुट होना चाहते हैं। हम लड़ना नहीं चाहते। लेकिन हमें खुद को बचाना होगा। इसके लिए प्राचीन काल से ही व्यवस्थाएं हैं, क्योंकि आज ऐसी ताकतें हैं जो हमें बदलना (धर्मांतरित करना) चाहती हैं। उन्होंने आगे कहा कि जब हमारे दैनिक जीवन में ऐसी कोई ताकत नहीं होती, तब भी लालच, डर और प्रलोभन की घटनाएं सामने आती हैं। आरएसएस प्रमुख ने महाभारत का उदाहरण दिया और कहा कि महाभारत के समय धर्म परिवर्तन करने वाला कोई नहीं था, लेकिन दुर्योधन ने पांडवों का राज्य हड़पने के लालच में जो किया, वह अधर्म था। उन्होंने कहा कि धार्मिक आचरण दैनिक जीवन में जरूरी है। हमें आसक्ति और प्रलोभन के प्रभाव में आकर कार्य नहीं करना चाहिए, हमें इनसे दूर रहकर धर्म के रास्ते पर चलना चाहिए। लालच या भय हमें अपनी आस्था से विमुख करते हैं। इसलिए यहां ऐसे केंद्र स्थापित किए गए हैं। आरएसएस प्रमुख भागवत सद्गुरुधाम का जिक्र कर रहे थे, जो आदिवासियों के उत्थान के लिए सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में सामाजिक गतिविधियां संचालित करता है। भागवत ने आगे कहा कि जब इन क्षेत्रों में ऐसे केंद्र संचालित नहीं थे, तो तपस्वी गांव-गांव जाकर लोगों को सत्संग सुनाते थे और उन्हें धर्म के मार्ग पर दृढ़ बनाए रखते थे। लेकिन अब आबादी बढ़ने पर मंदिर जैसे केंद्र बनाए गए हैं, जहां पूरा समाज एकत्र होता है, वे पूजा, अध्यात्म का लाभ उठाते हैं और कला का अभ्यास करने का अवसर भी प्राप्त करते हैं। आरएसएस प्रमुख भागवत ने ऐसे केंद्रों को बहुत जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि समाज के विभिन्न वर्गों के लोग ऐसे केंद्रों में अपना योगदान दे रहे हैं। भागवत ने कहा कि वे लोगों का धर्म परिवर्तन नहीं करते। वे सभी को अपने धर्म में दृढ़ रहने के लिए प्रेरित करते हैं। अपने धर्म में दृढ़ रहने से अन्य परेशानियां नहीं आतीं। हमारा सनातन धर्म, किसी के प्रति दुर्भावना नहीं रखता। उन्होंने आगे कहा कि धर्म के अभाव में लोग बुरी आदतों की ओर आर्षित होते हैं, जिससे उनका जीवन बर्बाद हो जाता है। उन्होंने कहा कि हमारा देश तभी आगे बढ़ेगा, जब समाज में धार्मिक आचरण व्याप्त हो।

नेपाल में हनुमान जयंती पर निकली शोभा यात्रा पर पथराव, स्थिति तनावपूर्ण

काठमांडू (हि.स.)। नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्र बीरगंज में हनुमान जयंती पर शनिवार को निकाली गई शोभा यात्रा पर पथराव के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गयी। इससे आक्रोशित हुए लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और कई वाहनों में आग लगा दी। हालात बिगड़ता देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा। बीरगंज में हर बार की तरह इस बार भी हनुमान जयंती पर शोभा यात्रा निकाली गई। शहर के मुख्य मार्ग से होते हुए जैसे ही शोभायात्रा मुस्लिम बहुल इलाके में पहुंच वैसे ही इस पर पथराव शुरू हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि पहले सड़क किनारे रहे मस्जिद के ऊपर से यह पथराव किया गया। उसके बाद आसपास के मुस्लिम घरों से भी पथराव किए गए। इसके कारण कुछ देर के लिए वहां भगदड़ जैसी स्थिति बन गयी। असामाजिक तत्वों ने पुलिस बल पर भी पथराव किया। हालात को नियंत्रित करने के लिए सुरक्षा बलों ने वहां पर कई राउंड आंशू गैस के गोले दागे और लाठी चार्ज किया। इस दौरान एक दर्जन से अधिक लोग घायल हो गए। बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्रा ने मीडिया कर्मियों को बताया कि शोभा यात्रा के दौरान पथराव करने वाले लोगों की पहचान कर उन्हें नियंत्रण में लेने का प्रयास किया जा रहा है। जिस मस्जिद और घरों के ऊपर से पथराव किए गए हैं पुलिस उसकी घेराबंदी कर वहां मौजूद लोगों को अपने नियंत्रण में लेने का प्रयास कर रही है। एसपी मिश्रा ने माना कि मुस्लिम क्षेत्रों से शोभायात्रा निकालने के दौरान काफी सतर्कता बरती गई थी बावजूद इसके इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया। शोभा यात्रा के संयोजक एवं विश्व हिंदू परिषद के महासचिव जितेंद्र सिंह ने बताया कि सामाजिक सद्भाव को बिगड़ने के लिए इस तरह की घटना को अंजाम दिया गया पुलिस प्रशासन को अच्छी तरह से पता है कि किस क्षेत्र में किसी मस्जिद और घरों के ऊपर से पथराव किया गया इसलिए तत्काल उन्हें गिरफ्तार किया जाना चाहिए। उधर, विश्व हिंदू परिषद सहित अन्य धार्मिक संगठनों ने एक बयान जारी कर पथराव करने वाले लोगों के खिलाफ जल्द कानूनी कार्रवाई शुरू करने की मांग की है। बयान में कहा गया है कि यदि पुलिस प्रशासन ने पथराव करने वाले मुसलमान को गिरफ्तार नहीं किया तो कल सारा शहर बंद रहेगा।

नदी में डूबने से मां और दो बेटी की मौत

गुवाहाटी (हिंस)। गुवाहाटी के चंद्रपुर इलाके में स्थित कलंग नदी में डूबने से मां और उसकी दो बेटी की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को बताया कि कलंग नदी में मां और दो बेटी नहाने गई थी। इसी दौरान तीनों नदी में डूब गईं। नहाते समय सबसे पहले गोलापी देवी की छोटी बेटी पंकित कुमारी नहाते समय पैर फिसलने की वजह से नदी में डूब गई। उसको बचाने के लिए उसकी मां गोलापी गई। बेटी को बचाने के चक्कर में मां भी डूबने लगी। मां और बहन को नदी में डूबती देख बड़ी बहन निलक्षी कुमारी गई। नदी के तेज बहाव में तीनों बह गए। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और एसडीआरएफ की टीम ने लगभग 10 घंटे तक नदी में तलाशी अभियान चलाया। सबसे पहले गोलाबी देवी का शव बरामद किया गया। उसके बाद उसकी दोनों बेटी अंकिता कुमारी और नीलक्षी कुमारी का शव बरामद किया गया।

ढाका में बैशाख मंगल शोभायात्रा से पहले फूंका गया फासीवाद का मुखौटा, तनाव

ढाका (हि.स.)। यूनेस्को से अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्य *बैशाख मंगल शोभायात्रा* निकलने से पहले फासीवाद का मुखौटा (प्रतीकात्मक चित्र) आगे के हवाले कर दिया गया। यह शोभायात्रा 14 अप्रैल को निकलनी थी। इससे ढाका विश्वविद्यालय में तनाव है। इसे ढाका विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय (चारुकोला) ने बनाया था। ढाका ट्रिब्यून अखबार की खबर के अनुसार, ढाका यूनिवर्सिटी के प्रॉक्टर एसोसिएट प्रोफेसर सैफुद्दीन अहमद ने कहा कि यह घटना आज सुबह हुई। हालांकि, यह अभी भी स्पष्ट नहीं है कि आग कैसे लगी। प्रॉक्टर ने बताया कि फासीवाद के मुखौटे के साथ कबूतर की तस्वीर भी जलाई गई। उन्होंने कहा कि अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि आग किसने लगाई। सीसीटीवी फुटेज की जांच करने की कोशिश की जा रही है। ललित कला संकाय के डीन प्रोफेसर अजहरुल इस्लाम ने कहा कि यह पता लगाने के लिए कुछ समय चाहिए कि इसके लिए कौन जिम्मेदार है। घटना की जांच के लिए समिति का गठन किया जाएगा। सीसीटीवी फुटेज प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि बैशाख मंगल शोभायात्रा को बांग्लादेश में मंगोल शोभायात्रा भी कहा जाता है।

नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट में एक जवान शहीद, एक घायल

रांची (हि.स.)। पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) में आईईडी ब्लास्ट में झारखंड जगुआर के कांस्टेबल सुनील धान शहीद हो गए। वहीं मुठभेड़ में कोबरा का एक जवान घायल भी हुआ है। दोनों घायल जवानों को एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया था, लेकिन राज अस्पातल में इलाज के क्रम में सुनील धान शहीद हो गए। झारखंड पुलिस मुख्यालय के अनुसार, शनिवार को नक्सलियों के खिलाफ अभियान के दौरान नक्सलियों के जरिये पहले से जमीन के नीचे लगा कर रखे गए आईईडी में ब्लास्ट किया गया। इस हमले में कोबरा 203 बटालियन के हेड कांस्टेबल विष्णु सैनी और झारखंड जगुआर के कांस्टेबल सुनील धान घायल हो गए। दोनों घायल जवानों को हेलीकॉप्टर के माध्यम से तत्काल एयरलिफ्ट कर रांची भेजा गया। लेकिन इलाज के क्रम में घायल सुनील धान ने दम तोड़ दिया। घटना छोटानागरा और जराईकेला थाना क्षेत्र की सीमा से सटे जंगल में हुई। जब कोबरा 203 बटालियन और झारखंड जगुआर की संयुक्त टीम नक्सल विरोधी अभियान के तहत गश्त पर थी। झारखंड जगुआर के कांस्टेबल सुनील धान ब्लास्ट में वीरगति को प्राप्त हुए हैं। सुनील झारखंड के खूंटी जिला के रहने वाले थे। जानकारी के अनुसार नक्सलियों की ओर से दो बार आईईडी ब्लास्ट किया गया, ब्लास्ट में ही सुनील को गंभीर चोट लगी थी। ब्लास्ट के बाद नक्सलियों की तरफ से पुलिस पर फायरिंग भी की गई है, जिसका सुरक्षाबलों ने करारा जवाब दिया है। इलाके में कोबरा और झारखंड जगुआर के जवानों की ओर से अभी भी अभियान जारी है। एसपी आशुतोष शेखर ने बताया कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछू, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटू लोहारा, चंदन लोहारा, अमित हांसदा उर्फ अपाटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ विध्वंसकारी गतिविधियों के लिए सारंडा-कोल्हान क्षेत्र में भ्रमणशील हैं।

छात्रों से भरी बस दुर्घटनाग्रस्त एक की मौत, 23 बुरी तरह घायल

श्रीनगर। उत्तर कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में उस वक्त मातम पसर गया जब छात्रों से भरी एक कॉलेज बस हादसे का शिकार हो गई। कॉलेज छात्रों को ले जा रही एक बस वोधपोरा इलाके में पलट गई। इस हादसे में एक छात्रा की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 23 अन्य छात्र बुरी तरह घायल हो गए। स्थानीय प्रशासन ने बताया कि बस का ड्राइवर संतुलन खो बैठा, जिससे वाहन अचानक पलट गया। हादसे के तुरंत बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोगों में घबराहट फैल गई। सूचना मिलते ही स्थानीय लोग, पुलिस और मेडिकल टीम मौके पर पहुंची और सभी घायलों को फौरन हंदवाड़ा के गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल प्रशासन ने एक छात्रा की मौत की पुष्टि की है, जबकि बाकी घायलों का इलाज चल रहा है। इनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस ने हादसे को लेकर मामला दर्ज कर लिया है और जांच शुरू कर दी है कि क्या तकनीकी खराबी या लापरवाही इसकी वजह बनी। हादसे की खबर जैसे ही छात्रों के परिवारों तक पहुंची, पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। यह हादसा एक बार फिर से सार्वजनिक परिवहन की सुरक्षा और निगरानी व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

पृष्ठ एक का शेष

40 परसेंट मुस्लिम...

विरोध में, जबकि लोकसभा ने इसे लंबी बहस के बाद पारित कर दिया, जिसमें 288 सांसदों ने इसका समर्थन किया और 232 ने इसका विरोध किया। इसके कानून बनने के बाद देश के अलग-अलग राज्यों में विरोध प्रदर्शन देखने को मिले। वहीं, पश्चिम बंगाल के कई इलाकों में इस विरोध प्रदर्शन ने हिंसक रूप ले लिया। मुख्यमंत्री ने यह भी दावा किया कि राज्य पुलिस के पास राज्य में वक्फ अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन के दौरान संभावित गड़बड़ी के बारे में *पुख्ता खुफिया सूचनाएं* थीं, लेकिन कानून लागू करने वालों ने किसी भी हिंसक घटना को रोकने के लिए *बड़े पैमाने पर काम किया।* शर्मा, जिनके पास गृह विभाग भी है, ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि हमारे पास पुख्ता खुफिया जानकारी थी कि कल अल्पसंख्यक समुदाय के विरोध प्रदर्शन के कारण असम में कुछ अशांति हो सकती है। उन्होंने कहा कि ये सूचनाएं पांच दिन पहले प्राप्त हुई थीं। उन्होंने कहा कि असम पुलिस ने अल्पसंख्यक समुदाय के नेताओं और मस्जिद समितियों से संपर्क किया। उन्होंने पांच दिनों तक बड़े पैमाने पर काम किया। और कल का दिन बेहद संतोष का दिन था। उन्होंने कहा कि राज्य में तीन स्थानों पर विरोध प्रदर्शन हुए और प्रत्येक रैली में लगभग 150 लोगों ने भाग लिया। शर्मा ने अल्पसंख्यक समुदाय और उसके नेताओं के प्रति भी आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि कानून और व्यवस्था बनाए रखना पुलिस का प्राथमिक कर्तव्य है और वह ऐसा करना जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि अगर कुछ कहना है तो उसके लिए उचित मंच मौजूद हैं। मामला पहले से ही सर्वोच्च न्यायालय में है। वे वहां इसके पक्ष या विपक्ष में बहस कर सकते हैं। शर्मा ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस की सराहना भी की थी। उन्होंने कहा कि लगभग 40 प्रतिशत मुस्लिम आबादी होने के बावजूद, असम में आज शांतिपूर्ण स्थिति बनी हुई है, सिवाय तीन स्थानों पर हुए छिटपुट विरोध प्रदर्शनों के, जिनमें वक्फ संशोधन अधिनियम के खिलाफ 150 से अधिक लोग शामिल नहीं हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मैं असम पुलिस को उनके व्यापक जमीनी कार्य के लिए बधाई देता हूं, जिससे शांति और व्यवस्था बनाए रखने में मदद मिली। असम भर में लोग जाति, पंथ, समुदाय और धर्म से परे, भावना से एकजुट हैं और खुशी और सद्भाव के साथ हमारे प्रिय बोहाग बिहू का स्वागत करने की उत्सुकता से तैयारी कर रहे हैं।

सीएम को भ्रम में नहीं ...

शामिल नहीं हुए। एआईयूडीएफ महासचिव और विधायक रफीकुल इस्लाम ने शनिवार को पत्रकारों से कहा कि मुख्यमंत्री को किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए। असम में मुसलमान भारतीय जनता पार्टी की वक्फ संपत्ति को उनसे छीनने की योजना से नाखुश हैं। हम कानून में किए गए बदलावों के खिलाफ कानूनी और लोकतांत्रिक तरीके से लड़ेंगे। इससे पहले, शर्मा ने एक सप्ताह पहले वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2025 के कानून बनने के बाद शांति सुनिश्चित करने के लिए असम पुलिस की सराहना की। उन्होंने मध्य अप्रैल में होने वाले बोहाग या रोंगाली बिहू समारोह से पहले लोगों की एकता पर भी प्रकाश डाला। असम में वक्फ अधिनियम के खिलाफ विरोध प्रदर्शन शांत रहा है, जहां 2 और 7 मई को पंचायत चुनाव होने हैं। इसके विपरीत, कम मुस्लिम आबादी वाले दो अन्य पूर्वोत्तर राज्य - मणिपुर और त्रिपुरा - अशांत रहे हैं। पंगल या मैतेई मुसलमान वक्फ अधिनियम को निरस्त करने की मांग को लेकर सड़कों पर उतर आए हैं। 7 अप्रैल को मणिपुर के लिलोंग कस्बे में आगजनी की घटना हुई, जिसके बाद स्थानीय अधिकारियों को कर्फ्यू लगाना पड़ा। त्रिपुरा के कैलाशहर कस्बे में शनिवार को एक विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया, जिसमें कई पुलिसकर्मी और प्रदर्शनकारी घायल हो गए।

असम सामाजिक बुराइयों ...

किया गया और 900 से अधिक पीड़ितों को शोषण के चंगुल से बचाया गया, जिनमें से कई महिलाएं और बच्चे थे। लेकिन युद्ध सिर्फ अपराध के खिलाफ नहीं था। यह आस्था के खिलाफ भी था - खतरनाक, सदियों पुराने अंधविश्वासों के खिलाफ, जिन्होंने अतीत में कई मासूम लोगों की जान ली थी। उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यताओं की सबसे क्रूर अभिव्यक्तियों में से एक डायन-शिकार थी, एक ऐसी प्रथा जिसने ग्रामीण असम के शरीर और आत्मा पर निशान छोड़ दिए। इसके जवाब में, सरकार ने असम विच हंटिंग (निषेध, रोकथाम और संरक्षण) अधिनियम, 2018 लागू किया, जो इस बर्बर प्रथा के हर पहलू को अपराधी बनाने के उद्देश्य से एक अभूतपूर्व कानून है। इस संदेश को सुदृढ़ करने के लिए, 13 मई को अंधविश्वास विरोधी दिवस के रूप में आधिकारिक रूप से घोषित किया गया - यह एक प्रतीकात्मक अनुस्मारक और सामाजिक जागृति का आह्वान था। शर्मा के अनुसार, असम का दृष्टिकोण सिर्फ प्रतिक्रियात्मक नहीं था, बल्कि यह सक्रिय था। प्राधिकारियों ने जागरूकता, कानून प्रवर्तन और सामुदायिक भागीदारी पर केंद्रित उन्नत नीतियां लागू कीं। बहुस्तरीय समितियों का गठन किया गया, जो जमीनी स्तर की पंचायतों को राज्य स्तरीय निकायों से जोड़ती हैं, जिससे निगरानी और प्रतिक्रिया की एक मजबूत श्रृंखला बनती है। इसके अलावा, एक व्यापक रोकथाम ढांचा भी लागू किया गया, जिसमें न केवल लक्षणों बल्कि इन बुराइयों के मूल कारणों पर भी ध्यान दिया गया। कानून प्रवर्तन के साथ-साथ, पीड़ित सहायता कार्यक्रमों ने परामर्श, पुनर्वास और पुन: एकीकरण सेवाएं प्रदान कीं, जिससे पीड़ितों को सम्मान के साथ नया जीवन जीने का मौका मिला।

पंचायत चुनाव में ...

राज्य प्रशासन अदालत की रोक के कारण चुनाव की अधिसूचना जारी नहीं कर सका। सरकार ने न्यायालय से अनुरोध किया था कि वह बिना किसी कानूनी उलझन के चुनाव कराने की अनुमति दे, तथा चल रहे मामलों के बावजूद पंचायतों में चुनाव कराने की आवश्यकता पर बल दिया। कई सुनवाई के बाद, जनवरी में गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने पंचायत चुनाव कराने की अनुमति दे दी। अदालत के आदेश पर प्रतिक्रिया देते हुए सीएम शर्मा ने कहा था कि हाईकोर्ट (गुवाहाटी) ने आज पंचायत चुनाव कराने की अनुमति दे दी है। हालांकि, हमने समय गंवा दिया है, क्योंकि अगर हम आज से शुरू करते हैं, तो चुनाव फरवरी के मध्य में हो सकते हैं। लेकिन अगले महीने हमारी 10वीं और 12वीं कक्षा की परीक्षाएं हैं और उस समय चुनाव कराने से गांवों में छात्रों के लिए काफी परेशानी होगी। इसके अलावा, वोटों की गिनती के लिए हॉल मिलना भी मुश्किल होगा। उल्लेखनीय है कि गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने निर्वाचन क्षेत्र के पुनर्निर्धारण प्रक्रिया में विसंगतियों का दावा करने वाली कई याचिकाओं के बाद पंचायत चुनावों पर रोक लगा दी थी। इन याचिकाओं में तर्क दिया गया था कि इन त्रुटियों को ठीक किए जाने तक चुनाव स्थगित कर दिए जाने चाहिए। असम के लिए, जहां पंचायतें ग्रामीण क्षेत्रों में शासन और सार्वजनिक सेवा वितरण की पहली पंक्ति के रूप में काम करती हैं, यह स्थगन केवल एक प्रशासनिक अड़चन से कहीं अधिक है। इसका सीधा असर गांवों में स्थानीय स्वशासन, नागरिक सहभागिता और विकास पहलों पर पड़ता है।

असम में दुर्लभ प्रजाति ...

साल की सख्त कैद हो सकती है। टोकाय गेको छिपकलियां भारत में केवल असम और अरुणाचल प्रदेश के कुछ चुनिंदा इलाकों में ही मिलती है। इन छिपकलियों की दक्षिण-पूर्व एशिया के ग्रे मार्केट में भारी मांग है। इसलिए लोग इन छिपकलियों की तस्करी करते हैं। गिरफ्तार किए गए तस्करों की पहचान 34 वर्षीय देबाशीष डोहुटिया, 28 वर्षीय मनाश डोहुटिया और 40 वर्षीय दीपांकर घरफलिया के रूप में हुई है। बता दें कि पुलिस को टोकाय गेको की तस्करी की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद स्पेशन टास्क फोर्स और डिब्रूगढ़ पुलिस की संयुक्त टीम ने मोहनबाड़ी इलाके में जाल बिछाया। पुलिस ने बताया कि तीनों संदिग्ध तस्कर मोहनबाड़ी टिनियाली स्थित *सन फिस्ट ढाबा* में मिले। दो तस्कर सफेद कार से आए थे और एक मोटरसाइकिल से आया था। कुछ देर बाद कार चालक ढाबे से बाहर निकला और कार से एक लाल रंग का बैकपैक लेकर वापस ढाबे में गया। तभी एसटीएफ की टीम ने छापेमारी कर तीनों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में तस्करों ने बताया कि उन्होंने इन छिपकलियों को अरुणाचल प्रदेश से इकट्ठा किया था और प्रत्येक को 1 लाख रुपए में बेचने की योजना बनाई थी।

मुर्शिदाबाद हिंसा में तीन ...

किया गया और सड़कें ब्लॉक कर दी गईं। हिंसा की घटना में 15 से ज्यादा पुलिसकर्मी घायल हुए हैं तथा अनेक लोग जख्मी हुए हैं। नेता प्रतिपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा है कि मुर्शिदाबाद में हालात बेकाबू हैं। स्थिति काफी गंभीर है और यह राज्य प्रशासन के नियंत्रण के बाहर है। हिंसा ग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बल की तैनाती की मांग को लेकर अधिकारी ने हाई कोर्ट में याचिका दायर की है। दो न्यायाधीशों की विशेष बेंच में इस पर शाम में सुनवाई होगी। मुर्शिदाबाद समेत राज्य के अन्य हिस्सों में फैली हिंसा के बीच सीएम ममता बनर्जी ने लोगों से शांति स्थापित करने की अपील की है। सीएम ममता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि हम वक्फ कानून के पक्ष में नहीं है। पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून लागू नहीं होगा फिर दंगा किस बात का। सीएम ममता ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी धर्मों के लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि कृपया शांत रहें, संयमित रहें। धर्म के नाम पर कोई भी गलत हरकत न करें। हर इंसान की जान कीमती है, राजनीति करने के लिए दंगे न भड़काएं। जो लोग दंगे भड़का रहे हैं, वे समाज को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

त्रिपुरा में वक्फ ...

भी दागे। कैलाशहर पुलिस थाने के प्रभारी सुकांत सेन चौधरी ने बताया कि प्रदर्शनकारियों के हमले में कैलाशहर उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) जयंत करमाकर सहित 18 पुलिस कर्मी घायल हुई हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस कर्मियों पर हमले के मामले में एफआईआर दर्ज कर ली गई है। हमले में कथित संलिप्तता के लिए आठ प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार किया गया है। आगे की जांच की जा रही है। हिंसक प्रदर्शन के बाद, बदरुज्जमां ने एक प्रेस कांफ्रेंस कर सफाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि हमने शांतिपूर्ण रैली का आयोजन किया था, लेकिन निहित स्वार्थ वाले एक समूह ने हमें बदनाम करने के लिए हमारी शांतिपूर्ण रैली को हिंसक बना दिया। उन्होंने कहा कि हम वक्फ कानून को वापस लेने की मांग को लेकर अपना आंदोलन जारी रखेंगे।

धुबड़ी गर्ल्स स्कूल...

शिक्षण गुणवत्ता, छात्र सहायता और समग्र जवाबदेही में अंतर को दूर करने के लिए तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। इस घटना से अभिभावकों, शिक्षा कार्यकर्ताओं और स्थानीय निवासियों में व्यापक आक्रोश फैल गया है, जिनमें से कई लोग औपचारिक जांच और त्वरित सुधारात्मक कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। आलोचकों ने इस पराजय के पीछे खराब कक्षा शिक्षण, बुनियादी ढांचे की कमी और सतत शैक्षणिक निगरानी के अभाव को प्रमुख कारक बताया है। हाल के वर्षों में धुबड़ी जिला खराब प्रदर्शन कर रहा है तथा इस घटना ने संकट को और गहरा कर दिया है। जबकि राज्य का कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 63.98 प्रतिशत है, धुबड़ी 54.89 प्रतिशत पर पीछे है - यह आंकड़ा अब विद्यापाड़ा गर्ल्स हाई स्कूल के शून्य-पास परिणाम से और अधिक पीछे हो गया है। राज्य के शिक्षा अधिकारियों से आने वाले दिनों में स्कूल का दौरा करने और स्कूल के ढहने के कारणों की जांच करने तथा इसके शैक्षणिक वातावरण को पुनर्जीवित करने के लिए संरचनात्मक परिवर्तनों की सिफारिश करने की उम्मीद है।

खराब नतीजों को लेकर ...

जिसके कारण शिक्षा अधिकारियों ने अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी। गुरुवार को जारी एक नोटिस में स्कूलों की निरीक्षक दीपिका चौधरी ने *प्रतिबद्धता की कमी* पर गंभीर चिंता व्यक्त की और खराब परिणामों के पीछे प्रमुख कारकों के रूप में *स्कूल स्तर के प्रशासन और शैक्षणिक पर्यवेक्षण में संभावित खामियों* को उजागर किया। नोटिस में कहा गया है कि स्कूल उम्मीदों के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, जो गंभीर चिंता का विषय है और इससे छात्र समुदाय हतोत्साहित हो रहा है। यह घटनाक्रम असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा एचएसएलसी 2025 के परिणामों की घोषणा के बाद सामने आया है, जिसमें राज्यव्यापी उत्तीर्ण प्रतिशत 63.98 प्रतिशत रहा - जो पिछले वर्ष के 75.7 प्रतिशत से काफी कम है।

मणिपुर में कानून-व्यवस्था ...

में मौजूद मैतेई और पड़ोसी पहाड़ी आधारित कुकी समुदायों के बीच जातीय हिंसा भड़कने के बाद से 260 से अधिक लोगों की जान जा चुकी है। मैतेई समुदाय की अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग पर मणिपुर उच्च न्यायालय के आदेश के विरोध में पहाड़ी जिलों में आयोजित *आदिवासी एकजुटता मार्च* के बाद झड़पें शुरू हुईं। वहीं इस विवाद के करीब एक साल बाद मणिपुर में तत्कालीन मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के 9 फरवरी 2025 को इस्तीफा देने के बाद 13 फरवरी 2025 को राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। मणिपुर राज्य विधानसभा, जिसका कार्यकाल 2027 तक है, को निलंबित कर दिया गया है।

जर्मनी में भारी पड़ा ...

के क्षेत्रों में तेजी से कॉलोनियां बना रही है। कीहल नाम के एक शहर में पहले ही इस प्रजाति के कारण बिजली और इंटरनेट बंद किया जा चुका है। इसके अलावा फ्रांस और स्विट्जरलैंड जैसे अन्य यूरोपीय देशों में भी इस चींटी की उपस्थिति दर्ज की गई है। ऐसे में माना जा रहा है कि यह संकट केवल जर्मनी तक सीमित नहीं रहने वाला है। हालांकि टैपिनोमा मैग्नम को अभी तक आधिकारिक रूप से आक्रामक प्रजाति घोषित नहीं किया गया है, क्योंकि इसका स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र पर व्यापक प्रभाव अभी तक साबित नहीं हुआ है। इसके बावजूद बाडेन-वुर्टेम्बर्ग के पर्यावरण सचिव आंद्रे बाउमन ने इसे एक कीट माना है और चेतावनी दी है कि यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो यह बड़े स्तर पर नुकसान पहुंचा सकती है। इस खतरे को देखते हुए जर्मन वैज्ञानिक और प्रशासनिक एजेंसियां अब मिलकर इस चींटी के प्रसार को रोकने के लिए एक साझा परियोजना पर काम कर रही हैं। पहली बार इस दिशा में संगठित प्रयास शुरू हुए हैं ताकि तकनीकी ढांचे, पर्यावरण और नागरिकों को होने वाले नुकसान को समय रहते रोका जा सके। यह स्पष्ट हो गया है कि अब यह सिर्फ एक कीट नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय चुनौती बनती जा रही है।

राष्ट्रपति ने बोहाग ...

विषु, बोहाग बिहू, पोयला बोइशाख, मेषादी, वैशाखादि और पुतांदु पिरापु के शुभ अवसर पर, मैं भारत और अन्य देशों में रह रहे सभी भारतीयों को हार्दिक शुभकामनाएं देती हूं। देश के विभिन्न भागों में फसल कटाई के समय मनाए जाने वाले ये पर्व हमारी सामाजिक परंपराओं और विविधता में एकता के प्रतीक हैं। इन त्योहारों के द्वारा हम अन्नदाताओं के प्रति कृतज्ञता और सम्मान व्यक्त करते हैं। ये पर्व हमें प्रकृति के संरक्षण और भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रसार का भी संदेश देते हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि मैं कामना करती हूं कि ऊर्जा और उल्लास से भरपूर ये त्योहार हमें अपने राष्ट्र के विकास में दृढ़ संकल्प के साथ योगदान देने के लिए प्रेरित करें।

अलकनंदा में समाई ...

के समीप एक थार कार अनियंत्रित होकर अलकनंदा नदी में समा गई। स्थानीय ग्रामीण ने पुलिस को हादसे की सूचना दी। जिसके बाद राजस्व पुलिस, रेगुलर पुलिस, एसडीआरएफ व स्थानीय लोगों ने रेस्क्यू अभियान चलाया। हादसे में गंभीर रुप से घासल महिला को 108 सेवा की मदद से उपचार के लिए बेस अस्पताल श्रीनगर में भर्ती कराया गया। जहां उसका उपचार चल रहा है। जबकि पांच लोगों की नदी में डूबने से मौके पर ही मौत हो गई है। जिनमें तीन किशोर हैं। थानाध्यक्ष देवप्रयाग महिपाल सिंह रावत ने बताया कि फरीदाबाद निवासी सुनील गुसांई अपनी पत्नी व बच्चें के साथ बीते शुक्रवार को फरीदाबाद से रुड़की आया। यहां से उसकी पत्नी की बड़ी बहन व उसका बेटा भी आया। कार सुनील गुसांई चला रहा था। वह रुड़की से जनपद चमोली के गौचर एक शादी समारोह में शामिल होने शनिवार सुबह निकले थे। लेकिन बद्रीनाथ हाइवे पर भल्लेगांव के समीप कार अनियंत्रित होकर अलकनंदा में समा गई। बताया कि कार हादसे में सुनील गुसांई पुत्र होशियार सिंह गुसांई निवासी सैनिक कालोनी फरीदाबाद उम्र-44 वर्ष (चालक), मीना गुसाई पत्नी सुनील गुसांई निवासी सैनिक कालोनी फरीदाबाद हरियाणा, धैर्य गुसांई पुत्र सुनील गुसांई उम्र-14 वर्ष, सूजल गुसांई पुत्र सुनील गुसांई उम्र-12 वर्ष और आदित्य नेगी पुत्र मदन सिंह नेगी उम्र-16 वर्ष निवासी दुर्गा कालोनी रुडकी हरिद्वार की नदी में डूबने से मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि हादसे में अनीता नेगी पत्नी मदन सिंह नेगी गंभीर रुप से घायल हो गई है। जिसका उपचार बेस अस्पताल श्रीकोट में चल रहा है। रेस्क्यू टीम में थानाध्यक्ष देवप्रयाग महिलापाल सिंह रावत, हेड कांस्टेबल विपेंद्र रावत, पवन रावत, देवेंद्र सिंह, कांस्टेबल दरवान सिंह, रजनीश शर्मा, विजय भारती, होमगार्ड रोशन आदि शामिल रहे।

अरुणाचल के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने एपीडा के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक का किया उद्घाटन

तीन देशों के 11 खरीदार, 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के 17 भारतीय निर्यातक और 350 से अधिक किसानो ने लिया हिस्सा

गुवाहाटी। अरुणाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) अरुणाचल प्रदेश और भारत के व्यापक पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए अरुणाचल प्रदेश के तवांग में कलावांगपो कन्वेंशन हॉल में एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) का आयोजन किया गया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (बीएसएम) का उद्घाटन मुख्य अतिथि और अरुणाचल प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने किया। इस मौके पर अरुणाचल प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री गेब्रियल डेनवांग वांगसू; अरुणाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव (सीएस) मनीष गुप्ता; भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय सचिव सिराज हुसैन; एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, आईएएस, तवांग के माननीय विधायक नामगे त्सेरिंग; लुमला की माननीय विधायक श्रीमती त्सेरिंग लामू; अरुणाचल प्रदेश सरकार के कृषि विभाग के आयुक्त और सचिव बिडोल तायेंग सहित केंद्र और राज्य सरकार के कई अधिकारी उपस्थित थे।

अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने अपने संबोधन में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों के विकास, किसानों की आजीविका को बढ़ाने, स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने और महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने दक्षिण पूर्व एशियाई और आसियान देशों में जीआई टैग वाले खाव ताई चावल (खामती चावल के रूप में जाना जाता है), मंदारिन संतरा, कीवी, सेब, पर्सिमोन, याक पनीर (चुरपी) के कृषि-निर्यात को बढ़ाने की कल्पना की। उन्होंने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों को राज्य के लिए वरदान बनने और राज्य की अप्रयुक्त क्षमता में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया। अरुणाचल प्रदेश सरकार के माननीय कृषि मंत्री श्री गेब्रियल डेनवांग वांगसू ने घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में अपने कृषि उत्पादों के लिए उचित मूल्य सुनिश्चित करने के लिए राज्य के किसानों की जागरूकता पैदा करने और उनकी क्षमता का निर्माण करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने राज्य के बेहतरीन कीवी, मंदारिन संतरे, सेब, अखरोट और वाइन जैसे मूल्यवर्धित उत्पादों के उत्पादन में उनकी अटूट प्रतिबद्धता के लिए क्षेत्र के किसानों की सराहना की। अरुणाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव (सीएस) मनीष गुप्ता ने इस बात पर प्रकाश डाला कि अरुणाचल प्रदेश *जैविक उत्पादन का केंद्र* है और अरुणाचल प्रदेश सरकार कीवी, सेब, मैंडरिन संतरा, पर्सिमोन, बड़ी इलायची, याक पनीर (जिसे चुरपी भी कहा जाता है), सुपारी और अखरोट जैसे कृषि उत्पादों के निर्यात के लिए प्रतिबद्ध है। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव, आईएएस ने बाजार पहुंच, प्रचार और पहुंच के लिए प्रमुख राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए अरुणाचल प्रदेश से किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ)/किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि एपीडा और अरुणाचल प्रदेश सरकार अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में निर्यात के लिए अरुणाचल प्रदेश से केंद्रित कृषि उत्पादों की पहचान और विकास, बुनियादी ढांचे के विकास, किसानों, किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ), किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी), महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी), स्टार्ट-अप और क्षेत्र के निर्यातकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के साथ-साथ राज्य से कृषि उपज और मूल्य वर्धित उत्पादों के ब्रांडिंग और अंतर्राष्ट्रीय प्रचार के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रतिबद्ध हैं ताकि लोग ऐसे सामाजिक-आर्थिक विकास से लाभान्वित हो सकें। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक ने संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और भूटान सहित 3 देशों के 11 अंतर्राष्ट्रीय खरीदारों के बीच असम, महाराष्ट्र, दिल्ली, हैदराबाद, कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल सहित 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के 17 भारतीय निर्यातकों के साथ सीधे बातचीत को सक्षम बनाया। देश भर के निर्यातकों ने अरुणाचल प्रदेश के 50 से अधिक एफपीओ और 350 किसानों के साथ भी बातचीत की, जिन्होंने कृषि उपज की गुणवत्ता, उपलब्धता और उत्पादन मात्रा को समझने के लिए इस कार्यक्रम में भाग लिया।

पंचायत चुनाव को लेकर दिलीप सैकिया ने की सोशल मीडिया कार्यकर्ताओं के साथ बैठक

गुवाहाटी, (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया शनिवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आगामी पंचायत चुनाव को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया की तैयारियों और रणनीति को लेकर एक अहम बैठक में शामिल हुए। इस बैठक में सोशल मीडिया विभाग के कार्यकर्ताओं के साथ संगठनात्मक योजना और प्रचार अभियान को मजबूती देने पर चर्चा की गई। बैठक में प्रदेश के सांगठनिक महासचिव आर रवींद्र राजू, पंचायत चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक और मंत्री पीयूष हजारिका, मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, भाजपा के प्रदेश महासचिव पल्लब लोचन दास, सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश प्रभारी किशोर कुमार उपाध्याय, चुनाव प्रबंधन सोशल मीडिया उप-समिति की पर्यवेक्षिका अंगूरलता डेका समेत कई सोशल मीडिया कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में पंचायत चुनावों के दौरान सोशल मीडिया की भूमिका, डिजिटल प्रचार के साधन और रचनात्मक सामग्री के वितरण पर विशेष जोर दिया गया।

हाथी के दांत के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ और ग्वालपाड़ा पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में दो वन्यजीव अंगों की तस्करी करने के आरोपितों को गिरफ्तार किया गया। उनके पास से हाथी के दांत बरामद किए गए हैं। पुलिस द्वारा शनिवार को दी गई जानकारी के अनुसार, यह संयुक्त अभियान कारीगांव के राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती रात चलाया गया। इस दौरान पुलिस टीम ने दो तस्करों को गिरफ्तार कर उनके पास से 2 किलो 500 ग्राम वजनी एक जोड़ी हाथी के दांत जब्त किए। हालांकि, जांच के मद्देनजर गिरफ्तार दोनों आरोपितों से पुलिस पूछताछ जारी रखे हुए है।

बिहू समितियों को किया प्रोत्साहित : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी, (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने राज्य की पारंपरिक सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से 2, 241 चयनित *रंगाली बिहू उत्सव समितियों* को बड़ी सौगात दी है। सरकार ने प्रत्येक समिति को एक लाख 50 हजार रुपए की सहायता राशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी समृद्ध परंपरा और बिहू उत्सव की विरासत को आगे बढ़ाने में यह आर्थिक सहयोग सहायक सिद्ध होगा। उन्होंने सभी को अग्रिम शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सभी को बहाग बिहू की शुभकामनाएं।

उजान बाजार में 306.9 केडब्ल्यूपी सौर संयंत्र का उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने पर्यावरणीय स्थिरता और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक अहम कदम उठाते हुए गुवाहाटी के उजान बाजार जल प्रशोधन संयंत्र में 306.9 केडब्ल्यूपी क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र चालू किया। पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा शनिवार को बताया कि इसका उद्घाटन महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में हुआ। समारोह में लामडिंग मंडल के मंडल रेल प्रबंधक समीर लोहानी और प्रधान मुख्य बिजली इंजीनियर संदीप कुमार भी उपस्थित रहे। यह परियोजना पर्यावरण एवं हाउस कीपिंग मैनेजमेंट (ईएनएचएम) निधि के अंतर्गत

पूरी की गई है। यह संयंत्र प्रतिदिन औसतन 928 यूनिट बिजली उत्पन्न करने में सक्षम है, जिससे सालाना लगभग 30 लाख रुपए की बचत होगी। इसमें कुल 558 मोनो क्रिस्टलीय सौर मॉड्यूल लगे हैं, जिनकी कुल इन्वर्टर क्षमता 315 केवीए है। करीब 2.48 करोड़ रुपए की लागत से तैयार यह संयंत्र उजान बाजार जल संयंत्र और इससे जुड़ी प्रणालियों को निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगा। इसकी पेबैक अवधि आठ वर्ष और परिचालन अवधि 25 वर्ष आंकी गई है। पूसी रेलवे की यह पहल न केवल ऊर्जा दक्षता और हरित प्रौद्योगिकी के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है, बल्कि भारतीय रेलवे के अन्य जोनों के लिए भी एक प्रेरक उदाहरण पेश करती है।

पंचायत चुनाव को लेकर भाजपा की मैराथन समीक्षा बैठक

गुवाहाटी, (हिंस)। असम प्रदेश भाजपा ने आगामी पंचायत चुनाव को लेकर तैयारियां तेज कर दी हैं। नामांकन प्रक्रिया के पूर्ण होते ही राज्य भाजपा ने शनिवार को अटल बिहारी वाजपेयी भवन में कई अहम तैयारी और समीक्षा बैठकों का आयोजन किया। इन बैठकों में प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया की अध्यक्षता में पार्टी के शीर्ष नेता शामिल हुए। आज की मैराथन बैठक में पहले से पूर्ण किए गए कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगे की रणनीतियों पर विस्तार से चर्चा हुई। इस मौके पर संगठनात्मक महासचिव आर रवींद्र राजू, पंचायत चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक और वरिष्ठ मंत्री पीयूष हजारिका, मंत्री जयंतमल्ल बरुवा, महासचिव पल्लवलोचन दास सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। सुबह के सत्र में पार्टी के सोशल मीडिया सेल और संबंधित पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक हुई, जिसमें सोशल मीडिया के कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ चुनाव में इसके उपयोग पर दिशा-निर्देश दिए गए। दोपहर 12 बजे से शुरू हुई चुनाव प्रबंधन समिति की बैठक में उप-समिति के सदस्यों और जिम्मेदार कार्यकर्ताओं के साथ पंचायत चुनाव की तैयारियों की प्रगति पर व्यापक चर्चा की गई। राज्य भाजपा की ओर से जारी एक बयान में बताया गया कि इस बार के पंचायत चुनाव में पार्टी ने कई खास और अभिनव पहल की है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि भाजपा ने नए चेहरों को मौका देने का फैसला किया है। कुल प्रत्याशियों में 40 फीसदी उम्मीदवार 45 वर्ष से कम उम्र के हैं, जबकि 60 फीसदी उम्मीदवार 50 वर्ष से नीचे के हैं। 397 जिला परिषद सीटों में भाजपा ने 325 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे हैं। शेष 72 सीटों पर असम गण परिषद के, छह पर गणशक्ति दल के और पांच पर राभा हजोंग संयुक्त मंच के प्रत्याशी हैं। भाजपा द्वारा उतारे गए 325 प्रत्याशियों में से 178 महिलाएं हैं और 147 पुरुष। इनमें 50 अनुसूचित जाति, 44 अनुसूचित जनजाति, 129 अन्य पिछड़ा वर्ग और 102 सामान्य वर्ग से हैं। वहीं, 39 मुस्लिम प्रत्याशियों को भी टिकट दिया गया है। भाजपा की ओर से कहा गया कि इस बार का प्रत्याशी चयन राज्य के विविध जातीय और सांस्कृतिक समूहों का प्रतिनिधित्व करता है, जो %इंद्रधनुषीय समन्वय% का प्रतीक है। पार्टी को उम्मीद है कि युवा शक्ति की ऊर्जा और सभी समुदायों की सम्मानजनक भागीदारी से यह पंचायत चुनाव अधिक प्रभावशाली और सार्थक साबित होगा।

10 रुपए के बिस्कुट के लिए गई जान, मजदूर की पीट-पीटकर हत्या

मोरीगांव (हिंस)। असम के जागीरोड इलाके से इंसानियत को झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। महज 10 रुपए के बिस्कुट के पैकेट को लेकर हुई कहासुनी में क मजदूर की जान चली गई। शनिवार को पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, जागीरोड के घुनुचा हाबी गांव निवासी राजू हरिजन (42) एक दैनिक मजदूर था, जो कणाबढ़ी गांव के कुंदल देउरी के घर पर बाउंड्री वॉल बनाने का काम कर रहा था। काम खत्म होने के बाद कुंदल देउरी ने उसे चाय के लिए 10 रुपए दिए। लेकिन राजू ने उससे बिस्कुट के लिए और 10 रुपए रुपये मांगे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच बहस हो गई। बहस इतनी बढ़ी कि कुंदल ने गुस्से में आकर राजू पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल राजू को कुंदल ने ई-रिक्शा से उसके घर भिजवा दिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने राजू को गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि उन्होंने कुंदल देउरी को राजू की गंभीर हालत की कर दी थी, लेकिन उसने उसे अस्पताल नहीं भेजा। इसके बाद शुक्रवार की रात मृतक के परिजन और रिश्तेदार जागीरोड थाने पहुंचे और न्याय की मांग की। स्थानीय लोगों ने आरोपित कुंदल देउरी की गिरफ्तारी और पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने की मांग की है। 10 रुपए के मामूली विवाद में किसी की जान जाना समाज में घटती सहनशीलता और खत्म होती इंसानियत का उदाहरण बन गया है।

भारी मात्रा में अवैध लकड़ी जब्त

कोकराझाड़ (विभास)। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रानीगुली के सीमा चौकी दादगिरी को मिली गुप्त सूचना के आधार पर भारत-भूटान पिलर संख्या-170/1 से लगभग 4.5 किलोमीटर भारत की ओर आमबाड़ी फॉरेस्ट एरिया में वन विभाग देवश्री के साथ संयुक्त नाका के दौरान अवैध रूप से कटे हुए इमारती लकड़ियों को ट्रैक्टर ट्रॉली पर लाद कर ले जा रहे वन माफियों को देख कर सशस्त्र सीमा बल और वन विभाग कर्मियों ने उनका पीछा किया, अपनी ओर आ रहे एसएसबी और वन विभाग की टीम को देखते ही वन माफियों ने ट्रैक्टर ट्रॉली और उसमें लदी इमारती लकड़ियों को जगंल मे छोड़कर भाग गए। तदोपरांत कटी हुई इमारती लकड़ी व ट्रैक्टर ट्रॉली को जब्त किया गया। जब्त किए गए अवैध लकड़ी व ट्रैक्टर ट्रॉली को वन विभाग कार्यालय देवश्री को अग्रिम कार्यवाही हेतु सूपुर्द कर दिया गया। छठीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल लगातार भारत-भूटान सीमा पर भारतीय वन क्षेत्रों में गश्ती एवं चौकसी के कारण तस्करों की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने में सफल हुई है।

शिलांग से सोल्लास लौटा तेरापंथी सभा का संघ

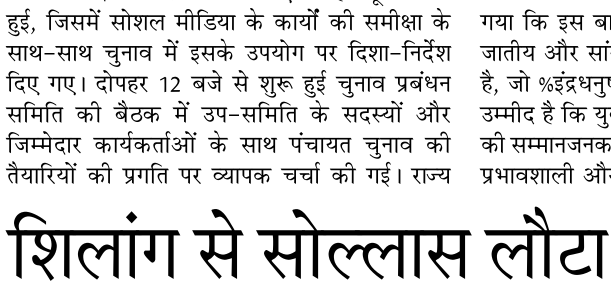

गुवाहाटी। आचार्य महाश्रमण के विद्वान सुशिष्य मुनि डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार, मुनि प्रशांत कुमार, मुनि कुमुद कुमार एवं मुनि पदम कुमार के पावन सान्निध्य एवं श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, शिलोंग के तत्वावधान में गत 10 अप्रैल को सुबह 10 बजे से शिलोंग में भगवान महावीर के 2624वें जन्म कल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्थानों से समागत विशाल जनमेदिनी को संबोधित करते हुए मुनि डॉ. ज्ञानेंद्र कुमार एवं मुनि प्रशांत कुमार ने कहा कि केवल वर्तमान में जीओ। उन्होंने कहा कि भगवान महावीर की वाणी है कि वर्तमान में जीने वाला कभी दुखी नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि न अतीत की और न भविष्य की चिंता करो। इसके अलावा मुनि कुमुद कुमार एवं मुनि पदम कुमार ने भी भगवान महावीर के जन्म एवं कर्म जीवन के बारे में विस्तार से व्याख्या की। इस उपलक्ष्य पर श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, गुवाहाटी के तत्वावधान में लगभग 125 सदस्यीय एक संघ गत 10 अप्रैल को प्रातः 5:30 बजे गुवाहाटी से पांच बसों के द्वारा सभा के वरिष्ठ सहमंत्री राकेश जैन एवं कार्यकारिणी सदस्य राजेश जमड़ के संयोजकत्व में शिलोंग गया तथा वहां महावीर जयंती के कार्यक्रम एवं मुनिवृंद के सेवा-दर्शन-उपासना का लाभ लेने के पश्चात रात्रि लगभग 7:00 बजे सोल्लास गुवाहाटी लौटा। इस दौरान शिलोंग सभा द्वारा संघ का भव्य आतिथ्य सत्कार किया गया।

राज्य के विभिन्न हिस्सों में धूमधाम से मनाय हनुमान जन्मोत्सव

गुवाहाटी/विश्वनाथ (विभास)। फैंसी बाजार एसआरसीबी रोड गेट नंबर 3 स्थित धर्मशाला हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में प्रातः 8 बजे हनुमानजी के अभिषेक के पश्चात सहस्त्रार्चन किया गया। दोपहर महा आरती और प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर बाबा की अखंड ज्योति भी प्रज्ज्वलित की गई। महा आरती के पश्चात ब्राह्मणों द्वारा सुंदरकांड का पठन किया गया। जानकी महिला मंडल की सदस्योंओ ने हनुमान जन्मोत्सव पर बधाई गीत गाकर हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया। सालासर मित्र मंडल द्वारा संगीतमय सुंदरकांड का पाठ किया गया। **दूसरी ओर** श्री हनुमान जन्मोत्सव समिति हनुमान मंदिर गल्ला पट्टी फैंसी बाजार में हनुमान जन्मोत्सव पर कई कार्यक्रम आयोजित किए गए। जिसमें प्रातः काल 6 00 बजे से अखंड रामायण पाठ के पश्चात श्री हनुमान जी का अभिषेक करके उन्हें सिंदूर मिश्रित स्वर्ण चोला व मुकुट आभूषण पहनाकर श्रृंगारित किया गया। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित बंकट शर्मा ने महा आरती उतारी। इस अवसर पर हनुमान जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष शैलेंद्र शर्मा, सचिव नवल किशोर मोर, कोषाध्यक्ष कृष्ण कुमार लोहिया, हनुमान जन्मोत्सव ट्रस्ट की

ट्रस्टी अध्यक्ष कैलाश चंद्र लोहिया, ट्रस्टी इंचार्ज अशोक धानुका, ट्रस्टी कोषाध्यक्ष जयप्रकाश गोयंका के अलावा अन्य कई भक्त गण उपस्थित थे। बाबा के श्रृंगार के दर्शनार्थ भक्तों की भीड़ उमड पड़ी थी। महा आरती के पश्चात बाबा को सवामणि का भोग भी लगाया गया। गुवाहाटी नगर निगम के मेयर मृगेन सरनिया और पार्षद सौरभ झुनझुनवाला ने भी बाबा के दर्शन कर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। दोपहर असमिया नाम कीर्तन के पश्चात गुरु भक्त मंडल द्वारा सुंदरकांड का वाचन किया गया। रात्रि को मनोज अजीत द्वारा भजन संध्या व नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। इसके अलावा असमिया बिहू नृत्य भी प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर निर्मित पंडाल में राम दरबा, र राधा कृष्ण और हनुमान की झांकी आकर्षण का केंद्र बनी रही। मंदिर के आसपास की सभी इमारत को विद्युत सज्जा से सजाकर क्षेत्र को आकर्षित बना दिया गया। बाबा के दर्शन करने के लिए पुरुष और महिलाओं की अलग-अलग काफी लंबी लाइन लगी हुई थी। महोत्सव को सफल बनाने के लिए आकाश चौरडिया, प्रभात शर्मा, सुनील बाजोरिया, प्रकाश चांदगोठिया, विकास गुप्ता, आदर्श शर्मा, राजकुमार तिवाड़ी, गौतम शर्मा, राजेश शर्मा, जगदीश हरलालका के अलावा अन्य कई सदस्यो ने सक्रिय सहयोग दिया। **विश्वनाथ** से हमारे संवाददाता के अनुसार विश्वनाथ जिले के सदर विश्वनाथ चारिआलि शहर के ऐतिहासिक प्रसिद्ध ठाकुरबाड़ी हनुमान मंदिर के नवनिर्मित राम- जानकी- हनुमान मंदिर में श्री श्री हनुमान जयंती महोत्सव समिति का 41 वाँ हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष में मंदिर को भव्य तरीके से सजाया गया। शुक्रवार को सुबह 10 बजे से शुरू अखंड रामायण पाठ का समापन आज सुबह 10 बजे हुआ जो सुबह से 24 घंटों चल रहा था 7 अखंड रामायण पाठ का वाचक पुरोहित के नेतृत्व में किया गया। अखंड रामायण पाठ समापन के बाद आरती किया गया और भक्तों को प्रसाद वितरण किया गया। इसके बाद आज बालाजी महाराज का फूलों का श्रृंगार और आरती पूजन किया गया। तत्पश्चात अपराह्न 3 बजे स्थानीय ठाकुरबाड़ी मंदिर से विभिन्न धार्मिक झांकियों द्वारा नगर परिक्रमा और शोभायात्रा निकाली गई। विश्वनाथ चारिआलि शहर की परिक्रमा करते हुए शोभा यात्रा ठाकुरबाड़ी मंदिर में समापन होती है। इसके बालाजी का महाआरती और महाच 2प्रसाद वितरण भक्तों के बीच किया जाता है। सभी श्रद्धालुओं के स्वर से जय श्री राम व पवनपुत्र सीया रामचन्द्र के ध्वनि गूंज उठा और चारों ओर भक्तिमय वातावरण छा गया। इस मौके पर असंख्य महिला श्रद्धालुओं के बीच श्री हनुमान जयंती समारोह समिति के अध्यक्ष प्रभुनाथ सिंह, सचिव शंकर लाल पारिक, दिलीप शर्मा, श्यामसुन्दर हैडा, गेशर प्रसाद गुप्ता, विनोद कुमार गुप्ता, राजेश सिंह, सुरेन्द्र कुमार सहनी, रमानंद रैनियार, सुजीत कुमार शर्मा आदि गणमान्य महानुभाव और बच्चे बढ़ चढ़ कर उपस्थित रहते हैं।

संपादकीय

विशेष से श्रेष्ठ कालेज तक

शिक्षा के मायने बदलने के लिए पाठ्यक्रमों की प्रासंगिकता ही नहीं, बल्कि कालेज प्रांगण की धूल हटा कर दूब भी उगनी चाहिए। कुल 136 कालेजों में से कुछ संस्थानों में प्रासंगिकता की शर्तें इस काबिल नहीं कि इन्हें असफलता का ढेर बनाया जाए। कालेजों को प्रासंगिकता का परिसर बनाने की पहली बार कोशिश हो रही है और इस दृष्टि से 14 कालेजों के पाठ्यक्रम में हुनर की शक्ति खोजी जा रही है। चौदह विशेष कालेजों के माध्यम से छात्रों को अपना व्यावसायिक उत्थान करने में मदद मिलेगी। इनमें से सात में इंटीग्रेटेड बीएड, तीन में फिजिकल एजुकेशन और अन्य में बीसीए, बीबीए, एमसीए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कम्प्यूटरिंग मशीन लर्निंग जैसे पाठ्यक्रम चलेंगे। सबसे शानदार व भविष्य की कलम से लिखा फैसला हरिपुर गुलेर डिग्री कालेज को फाइन आर्ट्स का विशेष महाविद्यालय बना रहा है। यह अपने आप में कांगड़ा चित्रकला की पृष्ठभूमि को अंगीकार करने की एक प्रायोगिक कोशिश है। फाइन आर्ट्स के तहत अगर हरिपुर गुलेर के कालेज को भविष्य के कलाकारों को साधने की अहमियत मिलती है, तो कल यहां धरोहर अध्ययन की कक्षा भी जोड़ी जा सकती है। इस तरह हरिपुर गुलेर की तरह नगरोटा सूरियां कालेज को मत्स्य अध्ययन व इससे जुड़े व्यवसायों का कालेज बना देना चाहिए। हम पिछले कई सालों से यह सुझाव देते आए हैं कि कुछ कालेजों को अलग-अलग प्रोफेशन और विषयों के आधार पर स्तरोन्नत करना चाहिए। इसी परिप्रेक्ष्य में स्वतंत्र स्पोर्ट्स कालेज या खेल छात्रावासों के साथ खेल स्कूल स्थापित कर देने चाहिएं। भारतीय खेल प्राधिकरण के धर्मशाला व बिलासपुर छात्रावासों के साथ वहां के कालेजों में स्पोर्ट्स विंग जोडक़र खिलाडियों की डिग्री के विषय उनके भविष्य के अनुरूप बनाने होंगे। प्रदेश के गरली-परागपुर की धरोहर के मद्देनजर वहां एक फिल्म सिटी और फिल्म एवं टीवी संस्थान की स्थापना करें, तो अध्ययन और व्यवसाय एक साथ निखर सकते हैं। बावजूद इसके कि कालेजों के चौदह परिसर अपने महत्त्व के विषयों में कोई न कोई करियर पुष्ट करेंगे, छात्रों के बीच प्रतिस्पर्धा का मूल्यांकन कुछ बड़े कालेज कर रहे हैं। कुल्लू, मंडी, धर्मशाला, हमीरपुर, सोलन, बिलासपुर, ऊना व कुछ अन्य महत्वपूर्ण कालेजों को विषय विशेष का राज्य स्तरीय दर्जा देना चाहिए। इस तरह अगर ऊना को हम राज्य स्तरीय भाषा कालेज बना दें, तो वहां अंग्रेजी, हिंदी, उर्दू व पंजाबी के अध्ययन की एक राष्ट्रीय परिपाटी बन सकती है। इसी तरह कहीं कोई कालेज इतिहास, तो कोई कामर्स और कोई वाणिज्यिक अध्ययन का श्रेष्ठ कालेज बन सकता है। राज्य स्तरीय पैमानों में श्रेष्ठ कालेजों की शृंखला में कालेज ऑफ डिफेंस स्टडीज, कालेज ऑफ बिजनेस स्टडीज, कालेज ऑफ साइंस, कालेज ऑफ हिमालयन स्टडीज, कालेज ऑफ सोशल वर्क तथा इसी तरह अन्य विषयों के अलावा एक महाविद्यालय इंडसट्रियल स्टडीज एवं नवाचार का भी बना देना चाहिए। हर कालेज को सभी विषयों के स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम का केंद्र बना देने के बजाय एक ही विषय का राज्य स्तरीय परिसर बनाना चाहिए। मसलन घुमारवीं कालेज में दर्जन के करीब स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम चल रहे हैं, लेकिन परिसर में किसी एक विषय का अति उत्तम माहौल, अध्ययन व शोध होना चाहिए, यह अधिक जरूरी है। बहरहाल, जिस पहल के तहत 14 कालेजों में अलग पाठशाला शुरू हो रही है, उससे इनकी योग्यता, दक्षता व प्रासंगिकता भी बढ़ेगी। कालेजों को विशेष से श्रेष्ठ बनाने के लिए अधोसंरचना का सही इस्तेमाल तथा शिक्षण का गुणात्मक माहौल पैदा करने की जरूरत रहेगी। अगर सात कालेजों में इंटेग्रेटिड बीएड को सिर्फ पाठ्यक्रम की फर्ज अदायगी में ही देखेंगे, तो कल यह परिसर भी बिखरेंगे। अध्ययन केंद्र के रूप में कालेज परिसरों की तहजीब को बदलने की आवश्यकता को प्राध्यापकों की वचनबद्धता से जोडऩा होगा।

कालेजों को प्रासंगिकता का परिसर बनाने की पहली बार कोशिश हो रही है और इस दृष्टि से 14 कालेजों के पाठ्यक्रम में हुनर की शक्ति खोजी जा रही है। चौदह विशेष कालेजों के माध्यम से छात्रों को अपना व्यावसायिक उत्थान करने में मदद मिलेगी। इनमें से सात में इंटीग्रेटेड बीएड, तीन में फिजिकल एजुकेशन और अन्य में बीसीए, बीबीए, एमसीए, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, क्लाउड कम्प्यूटरिंग मशीन लर्निंग जैसे पाठ्यक्रम चलेंगे। सबसे शानदार व भविष्य की कलम से लिखा फैसला हरिपुर गुलेर डिग्री कालेज को फाइन आर्ट्स का विशेष महाविद्यालय बना रहा है। यह अपने आप में कांगड़ा चित्रकला की पृष्ठभूमि को अंगीकार करने की एक प्रायोगिक कोशिश है। फाइन आर्ट्स के तहत अगर हरिपुर गुलेर के कालेज को भविष्य के कलाकारों को साधने की अहमियत मिलती है, तो कल यहां धरोहर अध्ययन की कक्षा भी जोड़ी जा सकती है। इस तरह हरिपुर गुलेर की तरह नगरोटा सूरियां कालेज को मत्स्य अध्ययन व इससे जुड़े व्यवसायों का कालेज बना देना चाहिए। हम पिछले कई सालों से यह सुझाव देते आए हैं कि कुछ कालेजों को अलग-अलग प्रोफेशन और विषयों के आधार पर स्तरोन्नत करना चाहिए।

चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए

वर्तमान वैश्विक पटल पर भारत के लिए आपदा में अवसर हैं

प्रह्लाद सबनानी

चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया

अमेरिका ने अन्य देशों से अमेरिका में होने वाली आयातित उत्पादों पर भारी भरकम टैरिफ लगाकर विश्व के लगभग समस्त देशों के विरुद्द एक तरह से व्यापार युद्ध छेड़ दिया है। इससे यह आभास हो रहा है आगे आने वाले समय में विभिन्न देशों के बीच सापेक्ष युद्ध न होकर व्यापार युद्ध होने लगेगा। चीन से अमेरिका को होने वाले विभिन्न उत्पादों के निर्यात पर तो अमेरिका ने 145 प्रतिशत का टैरिफ लगा दिया है। एक तरह से अमेरिका की ओर से चीन को यह खुली चुनौती है कि अब अपने उत्पादों को अमेरिका में निर्यात कर के बताए। 145 प्रतिशत के आयात कर पर कौन सा देश अमेरिका को अपने उत्पादों का निर्यात कर पाएगा, यह लगभग असम्भव है। इससे चीन की अर्थव्यस्था छिन्न भिन्न हो सकती है, यदि चीन, अमेरिका के स्थान पर विश्व के अन्य देशों को अपने उत्पादों का निर्यात नहीं बढ़ा पाया। बगैर प्रत्यक्ष युद्ध किए, अमेरिका ने चीन पर एक तरह से विजय ही प्राप्त कर ली है और चीन की अर्थव्यवस्था को भारी नुक्सान करने के रास्ते खोल दिए हैं, हालांकि अमेरिकी अर्थव्यवस्था भी विपरीत रूप से प्रभावित हुए बिना नहीं रहेगी। परंतु, ट्रम्प प्रशासन ने विश्व के 75 देशों पर लागू किए गए टैरिफ को 90 दिनों के लिए स्थगित कर दिया है। इससे अमेरिका की अर्थव्यवस्था पर अन्यथा होने वाले विपरीत प्रभाव को बहुत बड़ी हद तक कम कर लिए गया है। अमेरिका संभवत चाहता है कि आर्थिक मोर्चे पर चीन पर इतना दबाव बढ़ाया जाए कि चीन की जनता चीन के वर्तमान सत्ताधरियों के विरुद्ध उठ खड़ी हो और चीन एक तरह से टूट जाए। अमेरिका ने लगभग इसी प्रकार का दबाव बनाकर सोवियत रूस को भी तोड़ दिया था। कुल मिलाकर पूरे विश्व में विभिन्न देशों के बीच अब नए समीकरण बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। यूरोपीयन यूनियन के समस्त सदस्य देश आपस में मिलकर अब अपनी सुरक्षा स्वयं करना चाहते हैं। अभी तक ये देश अमेरिका के सखा देश होने के चलते अपनी सुरक्षा के लिए अमेरिका पर निर्भर रहते थे। परंतु, वैश्विक स्तर पर बदली हुई परिस्थितियों के बीच इन देशों का अमेरिका पर विश्वास कम हुआ है एवं यह देश आपस में मिलकर अपनी स्वयं की सुरक्षा व्यवस्था खड़ी करना चाहते हैं। आगे आने वाले समय में यूरोपीयन यूनियन के समस्त देश अपने सुरक्षा बजट में भारी भरकम वृद्धि कर सकते हैं। यहां, भारत के लिए अवसर निर्मित हो सकते हैं क्योंकि भारत में हाल ही के समय में सुरक्षा के क्षेत्र में उत्पादों की नई एवं भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता निर्मित हुई है।

भारत आज सुरक्षा के क्षेत्र में तेजी से न केवल आत्म निर्भर हो रहा है बल्कि भारी मात्रा में उत्पादों का निर्यात भी करने लगा है। आज सिंगापुर जैसे विकसित देश भी भारत से सुरक्षा उत्पाद खरीदने हेतु करार करने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। यदि यूरोपीयन देशों के साथ भारत की पटरी ठीक बैठ जाती है तो सुरक्षा के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं मौजूद है। भारत, यूरोपीयन देशों के साथ सामूहिक तौर पर द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने के प्रयास भी कर रहा है। इसी प्रकार, आगे आने वाले समय में यदि चीन के निर्यात अमेरिका को कम होते हैं तो चीन से विनिर्माण इकाईयों का पलायन तेजी से प्रारम्भ होगा। संभवत इलेक्ट्रॉनिक क्षेत्र, टेक्स्टायल क्षेत्र, फार्मा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र, प्रेशस मेटल के क्षेत्र में भारत के लिए अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही है, क्योंकि, उक्त समस्त क्षेत्रों से चीन, अमेरिका को भारी मात्रा में निर्यात करता है। अब 145 प्रतिशत के टैरिफ की दर पर चीन में निर्मित उत्पाद अमेरिका में नहीं बिक पाएंगे। अतः भारत के लिए इन समस्त क्षेत्रों में अपार सम्भावनाएं बनती हुई दिखाई दे रही हैं। टेक्स्टायल के क्षेत्र में तो वर्तमान में भारत के पास बहुत भारी मात्रा में उत्पादन क्षमता भी उपलब्ध है। टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत के पड़ौसी देश ही अधिक प्रतिस्पर्धी बने हुए हैं, जैसे बंगलादेश, पाकिस्तान, चीन, वियतनाम आदि। इस समस्त देशों पर अमेरिका द्वारा लगाई गई टैरिफ की दर, भारत की तुलना में कहीं अधिक है। अतः टेक्स्टायल के क्षेत्र में भारत में निर्मित विभिन्न उत्पाद तुलनात्मक रूप से अधिक प्रतिस्पर्धी बन गए हैं। इसका सीधा सीधा लाभ भारतीय टेक्स्टायल उद्योग द्वारा उठाया जा सकता है। इसी प्रकार, मोबाइल फोन का उत्पादन करने वाली विश्व की सबसे बड़ी कम्पनियों में से सैमसंग एवं ऐपल नामक कम्पनियां भारत में अपनी उत्पादन क्षमता में भारी भरकम वृद्धि करने के बारे में विचार कर रही हैं। वर्ष 2024 में भारत से 2040 करोड़ अमेरिकी डॉलर के मोबाइल फोन का निर्यात विभिन्न देशों को हुआ हैं, यह वर्ष 2023 में हुए निर्यात की राशि से 44 प्रतिशत अधिक है। और, मोबाइल फोन के निर्यात में हुई इस भारी भरकम वृद्धि में ऐपल एवं सैमसंग कम्पनियों का योगदान सबसे अधिक रहा है। केंद्र सरकार द्वारा लागू की गई उत्पादन प्रोत्साहन योजना का लाभ भी भारत में मोबाइल निर्माता कम्पनियों ने भारी मात्रा में उठाया है। भारत आज स्मार्ट मोबाइल के उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। यदि वैश्विक स्तर पर परिस्थितियां इसी प्रकार बनी रहती हैं तो शीघ्र ही भारत मोबाइल उत्पादन के क्षेत्र में पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ जाएगा। अन्य क्षेत्रों में उत्पादन करने वाली बहुराष्ट्रीय बड़ी बड़ी कम्पनियां भी अपनी विनिर्माण इकाईयों को चीन से स्थानांतरित कर भारत में स्थापित कर सकती हैं। कोविड महामारी के खंडकाल के समय भी यह उम्मीद की जा रही थी और चीन+1 नीति का अनुपालन करने के सम्बंध में कई कम्पनियों ने घोषणा की थी परंतु उस समय पर कई कम्पनियां अपनी विनिर्माण इकाईयों को ताईवान, वियतनाम, एवं थाईलैंड, आदि जैसे छोटे छोटे देशों में ले गईं थी और इसका लाभ भारत को बहुत कम मिला था। परंतु, आज परिस्थितियां बहुत बदली हुई हैं। छोटे छोटे देशों में बहुत भारी मात्रा में उत्पादन करने वाली विनिर्माण इकाईयां स्थापित करने की बहुत सीमाएं हैं। इन देशों में श्रमबल की उपलब्धता सीमित मात्रा में है। जबकि भारत में इस दौरान आधारिक संरचना एवं मूलभूत सुविधाओं में अतुलनीय सुधार हुआ है और भारत में श्रमबल भी पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। आज जापान, इजराईल, ताईवान, रूस, जर्मनी, फ्रान्स, आस्ट्रेलिया आदि विकसित देश श्रमबल की कमी से जूझ रहे हैं। कई विकसित देशों में जनसंख्या वृद्धि दर लगभग शून्य के स्तर पर आ गई है। बल्कि, कुछ देशों में तो जनसंख्या में कमी होती हुई दिखाई दे रही है। दूसरे, इन देशों में प्रौढ़ नागरिकों की संख्या बड़ी तेजी से बढ़ती जा रही है और इन प्रौढ़ नागरिकों की देखभाल के लिए भी युवा नागरिकों की आवश्यकता है। अब कुछ देशों जैसे जापान, इजराईल, ताईवान आदि ने भारत सरकार से भारतीय नागरिकों के इन देशों में बसाने के बारे में विचार करने को कहा है। इजराईल सरकार ने लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग भारत सरकार से की है, जापान सरकार ने भी लगभग 2 लाख भारतीयों की मांग की है एवं ताईवान सरकार ने भी लगभग 1 लाख भारतीयों की मांग की है।

दृष्टि कोण

फटकार खाकर भी नहीं सुधरी देश की पुलिस

नेताओं के हाथों की कठपुतली बनी पुलिस प्रणाली देश के आम लोगों का विश्वास जीतने में पूरी तरह नाकाम रही है। पुलिस का आचरण और व्यवहार आजादी के बाद भी सामंती बना हुआ है। अपराध रोकने की जिम्मेदारी निभाने वाली पुलिस के अपराधियों की तरह आचरण करने से वर्दी दागदार हो रही है। पुलिस राज्यों के अधिकार क्षेत्रों में होने के कारण सत्तारूढ़ दलों के इशारों के बगैर काम नहीं करती है। ऐसे ही हालात पुलिस पर पक्षपात करने के जिम्मेदार हैं। अधीनस्थ से लेकर देश की शीर्ष अदालत ने कई बार पुलिस की कारगुजारियों को उजागर किया है। इसके बावजूद पुलिस के रवैये में कोई खास बदलाव नहीं आया है। सुप्रीम कोर्ट ने दीवानी मामले में आपराधिक कानून लगाने पर उत्तरप्रदेश (यूपी) पुलिस को फटकार लगाई। अदालत ने कहा कि यूपी पुलिस की ओर से दीवानी मामलों में दर्ज की गईं प्राथमिकियों पर गौर करने से पता चलता है कि राज्य में कानून का शासन पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। पुलिस के कुकृत्य सिर्फ मनमर्जी तक सीमित नहीं हैं, बल्कि पुलिस अपराधियों को पकडऩे के बजाय कई मामलों में खुद अपराधी बन बैठी है। पंजाब के चर्चित मोगा सेक्स स्कैंडल में मोहाली स्थित कोर्ट ने 4 पुलिस अधिकारियों को सजा सुनाई है। मोगा सेक्स स्कैंडल साल 2007 में सुर्खियों में आया। उस समय पंजाब में अकाली-भाजपा गठबंधन की सरकार थी। इस स्कैंडल में कई हाई प्रोफाइल राजनेता और सीनियर पुलिस अधिकारी शामिल थे। ये सब मिलकर अमीर लोगों को देह व्यापार में फंसाते थे। पुलिस की कारगुजारियों का पर्दाफाश सुप्रीम कोर्ट ने एक मृत्युदंड के मामले में भी किया है। सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के आरोप में निचली अदालत से मौत की सजा प्राप्त एक युवक को बरी करते हुए पुलिस प्रक्रिया पर तीखी टिप्पणियां की। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सभी फोरेंसिक और गवाहों की रिपोर्टों की बारीकी से समीक्षा की और पाया कि आरोपी के खिलाफ कोई विश्वसनीय सबूत नहीं था। इस तरह एक निर्दोष व्यक्ति ने 10 साल फांसी की सजा के साए में जेल में बिताए, जबकि पुलिस और न्यायिक व्यवस्था की नाकामी साफ नजर आई। सुप्रीम कोर्ट पुलिस और सत्तारूढ़ दलों के नापाक गठजोड़ को कई बार उजागर कर चुका है। सुप्रीम कोर्ट के प्रधान न्यायाधीश रहे एनवी रमना ने एक मामले में कहा था कि देखा जा रहा है कि पुलिस के अधिकारी सत्ता में मौजूद राजनीतिक पार्टी का फेवर करते हैं और सत्ता पक्ष के विरोधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हैं। बात यहीं खत्म नहीं होती, जब विरोधी पक्ष के लोग सत्ता में आते हैं तो उन्हीं पुलिस अफसरों पर कार्रवाई करते हैं। देश में इस तरह का जो ट्रेंड दिख रहा है वह काफी परेशान करने वाला है। मुख्य न्यायाधीश रमना ने कहा था कि इसके लिए पुलिस विभाग को ही जिम्मेदार ठहराना चाहिए। पुलिस को चाहिए कि वह कानून के शासन पर टिकी रहे। वह सत्ता और विपक्ष किसी के साथ न होकर स्वतंत्र रूप से काम करे। सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी छत्तीसगढ़ के निलंबित अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक गुरजिंदर पाल सिंह की याचिका पर सुनवाई करते हुए की थी। पाल के खिलाफ पुलिस ने सत्तारूढ़ दल के इशारे पर आय से अधिक सम्पत्ति और राजद्रोह का मामला दर्ज किया था। भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ का हिस्सा रहे न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला ने कोलकाता चिकित्सक के बलात्कार-हत्याकांड की सुनवाई के दौरान कहा था कि कोलकाता पुलिस ने इस मामले को जिस तरह से संभाला, वह कुछ ऐसा है जो उन्होंने अपने जीवन के 30 वर्षों में नहीं देखा। शीर्ष अदालत ने अप्राकृतिक मौत के मामले के पंजीकरण में देरी की आलोचना की। पुलिस की मौजूदा कार्यप्रणाली को लेकर देश में कई सुधार करने के प्रयास हुए हैं, किन्तु सत्तारूढ़ दलों के नेताओं ने ऐसे प्रयासों को नाकाम करने में कोई कोर-कसर बाकी नहीं रखी। स्वतंत्रता के बाद से ही, इस व्यवस्था में सुधार की मांग उठती रही है, क्योंकि यह भ्रष्टाचार, अकुशलता और जनता में अविश्वास का कारण बनी हुई है। पुलिस सुधारों के लिए कई आयोगों और समितियों का गठन किया गया। राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और वर्ष 1971 में बनी गोर समिति की रिपोर्ट की सिफारिशें धूल खा रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी वर्ष 2006 में प्रकाश सिंह मामले में पुलिस सुधारों पर कई निर्देश दिए, जिनमें यह भी शामिल था कि राज्य पुलिस प्रमुखों का दो वर्ष का निश्चित कार्यकाल होगा। निर्देशों में राज्य सुरक्षा आयोगों की स्थापना, वरिष्ठ अधिकारियों के लिए निश्चित कार्यकाल और कानून एवं व्यवस्था से जांच को अलग करना शामिल था। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की भी राज्यों ने पालना नहीं की।

कुछ अलग

सबसे बड़ा जादूगर...

ऐसा माना जाता है कि ईश्वर इस धरती के कण-कण में वास करते हैं। लेकिन हम भारतवासी बहुत भाग्यशाली हैं कि ईश्वर के साथ-साथ हमारे देश के कण-कण में नेता भी वास करते हैं। ईश्वर साक्षात दिखता नहीं है। लेकिन नेता साक्षात दिखता है। हर योजना में दिखता है, हर घोटाले में दिखता है, हर लफड़े में दिखता है, हर फाइल में दिखता है, हर हस्ताक्षर में दिखता है, हर सौदे में दिखता है, हर डील में दिखता है, कपड़ों में दिखता है, कपड़ों से बाहर दिखता है, नेत्रियों के साथ दिखता है, अभिनेत्रियों के साथ दिखता है, दंगों में दिखता है, शांति रैलियों में दिखता है, बाढ़ में दिखता है, सूखे में दिखता है। कहां-कहां नहीं दिखता नेता? दिन में दिखता है, रात में दिखता है। और तो और, सपने में भी दिखता है! यह देश नेतामय है। नेता के बिना किसी की गति नहीं है। नेता है तो अपराधी हैं। नेता है तो फरियादी हैं। फरियादी और अपराधी भी हर भेस में हैं। नेता जी भी हर भेस में हैं। जनसेवक में भी नेताजी की झलक मिलती है, डाकू में भी नेता जी के दर्शन हो जाते हैं, अभिनेताओं और मदारियों में भी नेता मिल जाते हैं, अफसरों में भी नेता समाये रहते हैं। रसिकों की लाइन में भी नेता दिख जाते हैं। नेता लोग कहां-कहां नहीं हैं? हमाम में घुसो तो वहां नेता। हवालात में जाओ तो वहां नेता। डांस बार में जाओ तो वहां नेता। दारू की भट्ठी तक जाओ तो वहां भी नेता। दफ्तर में घुसो तो वहां नेता। ठेके में घुसो तो वहां नेता। अंदर नेता। बाहर नेता। खुले में नेता, बंद कमरे में नेता। हर भेस में नेता। जहां-जहां स्कोप है, वहां-वहां नेता। इस मुल्क में आखिर कहां-कहां नहीं हैं नेता। शास्त्रों में कहा गया है- 'न जाने केहि भेस में परमात्मा मिलि जाय।' खाकसार कहता है, 'न जाने केहि भेस में कोई नेता मिलि जाय!' किसी शायर ने कहा है, 'हर आदमी में होते हैं दस-बीस आदमी, जिसको भी देखना, बार-बार देखना।' इसी शेयर की तर्ज पर यह कहा जा सकता है- 'हर भेस में होते हैं दस-बीस नेता, जिसको भी देखना, बार-बार देखना।' नेता फरियादियों के बीच भी हैं और अपराधियों के बीच भी। अपराधी अपनी फरियाद लेकर नेता के पास जाता है और नेता अपनी फरियाद लेकर हाईकमान के पास जाता है। हाईकमान नेता को हडक़ाता है और नेता सबको हडक़ाता है। पुलिस को भी, ब्यूरोक्रेसी को भी और पब्लिक को भी। नेता किस किस को नहीं हडक़ाता? पुलिस पैसे खाती है, नेता भी पैसे खाता है। लेकिन पुलिस चारा नहीं खाती, नेता चारा भी खा जाता है। नेता बहुरूपिया है। वह योगी भी है और भोगी भी। सफेद कपड़ों में भी मिल सकता है और काले कपड़ों में भी। माला फेरते भी मिल सकता है और दाना डालते भी। वह लुटेरे के भेस में भी मिल सकता है और भिखारी के भेस में भी। वह डुगडुगी बजाता भी मिल सकता है और बैंड बजाता भी। नेता के भेस अनंत हैं। कारनामे भी अनंत हैं। महिमा भी अनंत है। नेता रुपए को डॉलर में तब्दील कर सकता है और वोट को दारू की बोतल में। नेता बहुत बड़ा जादूगर है। वह पलक झपकते ही नोटों से भरे ब्रीफकेस गायब कर देता है। योजनाओं और परियोजनाओं का पैसा गायब कर देता है। जांच एजेंसियों की रिपोर्ट गायब कर देता है। नेता को कोई नहीं समझ सकता। उसकी वास्तविक पत्नी भी नहीं। नेता सबसे बड़ा जादूगर होता है। नेता कभी हाथ जोडऩे की मुद्रा में होता है तो कभी विरोधी की टांग तोडऩे की। नेता की अनेक मुद्राएं हैं, अनेक रूप हैं, अनेक चेहरे हैं, अनेक करैक्टर हैं। इसलिए साधो! जिससे भी मिलो झुक-झुक कर मिलो।

देश दुनीया से

विलुप्त प्रजातियों के पुनर्जीवन से जुड़े नैतिक पहलू

यह तिकड़ी जैव-विज्ञान में आश्चर्यजनक वैज्ञानिक उपलब्धि है : 12,000 वर्ष पहले पृथ्वी पर विचरने वाले पुरातन भेड़ियों की पहली नकल। इनके 'सृजन' से हैरानी, उत्साह और, सही तौर पर, नैतिक बहस छिड़ गई है। ऐसा करके क्या हम इतिहास की गलतियां सुधार रहे हैं या फिर कल्पनात्मक संतुष्टि के लिए प्रकृति की पटकथा फिर से लिख रहे हैं? रोमुलस, रेमस और खलीसी आनुवंशिक बदलाव के जरिए विलुप्त हो चुके जीवों को फिर जिंदा करने के व्यापक अभियान का एक नवीनतम अध्याय भर हैं। कुछ साल पहले, एलिज़ाबेथ एन -जो कि ब्लैक-फुटेड फेरेट का एक क्लोन था – उसके जन्म ने यह कर दिखाया कि बहुत पहले मर चुके जानवरों के डीएनए का उपयोग करके, उनकी व्यवहार्य संतानें बनाई जा सकती हैं। अब, वूली मैमथ, डोडो और थायलासीन (तस्मानियाई बाघ) को फिर से जीवित करने के प्रयास चल रहे हैं–यह सभी प्रयोग कोलोसल बायोसाइंसेज जैसी फर्में कर रही हैं, जो खुद को 'डी-एक्सटिंक्शन टेक्नोलॉजी' के अग्रदूत के रूप में पेश करती हैं। इस किस्म के विकास हमारी कल्पना को लुभा रहे हैं। एक वूली मैमथ (लंबे बालों वाला विशालकाय हाथी) को टुंड्रा अंचल में फिर से चिंघाड़ते कौन नहीं देखना चाहेगा या जंगल में भयानक भेड़िये की गूंजती चीख सुनना? लेकिन जैसे-जैसे परिकल्पना और यथार्थ के बीच लकीर मिट रही है, वैसे-वैसे हमारी आत्मसंतुष्टि भी खत्म हो रही है। सवाल है, क्या विलुप्त जानवरों को वापस लाना चाहिए? 'डी-एक्सटिंक्शन' समर्थकों का तर्क है कि यह दोहरा नैतिक उद्देश्य पूरा करता है : सुधार और बहाली। थायलासीन और पैसेंजर कबूतर जैसी कई प्रजातियां मानवीय करतूतों- शिकार, वनों की कटाई, प्रदूषण के कारण विलुप्त हो गईं। उन्हें पुनर्जीवित करना, सदियों की पारिस्थितिकी क्षति की नैतिक भरपाई का एक तरीका है। पारिस्थितिकीय पहलू भी है। पुनर्जीवित प्रजातियां बिगड़ चुके पारिस्थितिकीय तंत्र में गायब हो चुके कई कार्यों को बहाल करने में मदद कर सकती हैं। मसलन, एक फिर से जिंदा हुआ वूली मैमथ आर्कटिक में घास मैदानों की सततता बनाए रखने और पर्माफ्रॉस्ट पिघलने की दर कम करने में सहायक हो सकता है। इसी प्रकार, सैद्धांतिक रूप से, पुरातन भेड़िये की नकलें, उन परिदृश्यों में शिकारी-शिकार अनुपात संतुलित कर सकते हैं, जहां ऐसी भूमिकाएं अब नदारद हैं। नेक इरादे हमेशा अच्छे परिणाम नहीं देते – और जैव-इंजीनियरिंग के क्षेत्र में, अच्छे इरादे वाले प्रयोग भी नैतिक अस्पष्टता में फंस सकते हैं। रोमुलस, रेमस और खलीसी भयानक भेड़ियों जैसे दिखाई दे सकते हैं। लेकिन क्या वे असल में हैं? ये विलुप्त प्रजाति के नैसर्गिक जन्मे वंशज न होकर जैनेटिकली संकरित हैं – अपने मूल रूप में न होकर अपने विलुप्त पूर्वजों के रूप की नकल। कोलोसल बायोसाइंस इसको 'व्यावहारिक प्रति-विलुप्ति' बता रही है, जबकि कुछ वैज्ञानिक मानते हैं कि लाखों वर्षों के विकासक्रम की जगह महज 20 जीनों के मेल से बना जीव नहीं ले सकता। प्रश्न उठता है : क्या इन प्राणियों की प्रवृत्ति अपने पूर्वजों वाली होगी या फिर ये महत्वाकांक्षा और पुरानी यादों के अहसास कराने को पैदा किए जैविक शोपीस हैं? क्या ये व्यवहार के बेमेलपन, अप्रत्याशित स्वास्थ्य जोखिम या पारिस्थितिक विसंगतियों का सामना कर पाएंगे? कोलोसल बायोसाइंसेज अपना काम उत्साह से आगे बढ़ा रही है। सवाल उठता है क्या यह विज्ञान है, पर्यावरणीय न्याय है, या फिर जुरासिक पार्क सरीखा एक मनोरंजन? इसको लेकर व्यावहारिक चिंताएं कायम हैं। मसलन इस अंतराल में जीवों के आवास स्थल बदल चुके हैं। पारिस्थितिकी तंत्र बदल चुका। जहां कभी मैमथ विचरते थे, वह आज जैसा आर्कटिक नहीं था। वह घास के मैदान, जहां कभी खूंखार भेड़िया शिकार करता था, वहां अब शहर हैं। हम पुनर्जीवित प्रजातियों को रखेंगे कहां? और क्या होगा जब उनका सामना मौजूदा पारिस्थितिकीय तंत्र, प्रजातियों या मानवीय गतिविधियों से होगा? कुछ वैज्ञानिकों का तर्क है, ये जानवर कभी भी जंगल लायक नहीं हो सकते। कुछ को डर है इनका पुनर्जीवन नाजुक बन चुके पारिस्थितिकी तंत्र को और अस्थिर कर सकता है या जो प्रजातियां गंभीर संकटग्रस्त हैं, उनके बचे-खुचे संसाधनों को ये नए जीव छीन सकते हैं। प्रति-विलुप्ति में आत्म संतुष्टि को और प्रोत्साहित करने का जोखिम है। मसलन यदि विलुप्ति को उलटा जा सकता है, तो फिर विलुप्ति होने की रोकथाम क्यों करें? जब हमारे पास क्षमता है कि उन्हें बाद में प्रयोगशाला में कभी भी पुनर्जीवित कर लेंगे, तो गैंडा या गंभीर रूप से संकटग्रस्त ऑरेंगुटेन को बचाने की कोशिशें क्यों करें? यह भ्रमजाल समाज को पारिस्थितिकी के प्रति और लापरवाह बना सकता है। प्रजातियों को वापस लाने की क्षमता, मानवता द्वारा अब तक इस्तेमाल की गई सबसे गहन – एवं खतरनाक भी – शक्तियों में से एक है। हालांकि प्रति-विलुप्ति अपने-आप में अनैतिक नहीं है। यह जैव विविधता, बहाली और वैज्ञानिक खोज में एक शक्तिशाली औजार हो सकती है। लेकिन इसे अत्यधिक सावधानी, पारिस्थितिक दूरदर्शिता और प्रकृति के प्रति विनम्रता की गहन भावना के साथ इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

आप का नजरीया

कैसे प्रासंगिक बनेगी कांग्रेस

कांग्रेस का गुजरात अधिवेशन सम्पन्न हो गया। गुजरात में जनवरी,1961 के बाद, यानी 64 लंबे सालों के बाद कांग्रेस का राष्ट्रीय अधिवेशन हुआ है। चूंकि महात्मा गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष होने की 100वीं सालगिरह है और सरदार पटेल की 150वीं जयंती का वर्ष है, लिहाजा विरासत की जमीन पर दोबारा खड़े होने और उसके आधार पर राजनीति करना तय किया गया। सवाल है कि आज ही गांधी-पटेल सरीखे महानायकों के गढ़ की याद क्यों आई, जबकि लोकतंत्र, समाजवाद, समावेशिता, धर्मनिरपेक्षता आदि कांग्रेस के परंपरागत वैचारिक मूल्य आज धुंधले हैं। उनके जुमले ही सुनाई देते हैं। गुजरात 1995 से भाजपा का राजनीतिक गढ़ है। भाजपा लगातार 7 चुनाव जीत चुकी है। मौजूदा सदन में कांग्रेस के मात्र 12 विधायक हैं और गुजरात में भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी की राजनीति को ध्वस्त करने की हुंकार कांग्रेस ने भरी है। कांग्रेस के सामने प्रासंगिक और स्वीकार्य होने की बेहद गंभीर चुनौती है। अधिवेशन के उपसंहार में विचारधारा और राष्ट्रवाद पर डटे रहने का आह्वान निहित है, लेकिन पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने दलितों, मुसलमानों के अलावा ओबीसी को भी कांग्रेस के साथ जोडऩे की बात कही है। ब्राह्मण लगभग भाजपा के पाले में जा चुके हैं। दरअसल 1990 में मंडल आयोग की रपट पारित करने के बाद ओबीसी कांग्रेस का समर्थक-वर्ग रहा ही नहीं। पिछड़े और अति पिछड़े स्थानीय और क्षेत्रीय दलों के बीच बंट गए अथवा प्रधानमंत्री मोदी के राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र-बिंदु बनने के बाद ओबीसी भाजपा की ओर धुरवीकृत हो गए। कांग्रेस ओबीसी के बीच अपना जनाधार कैसे बनाएगी, अधिवेशन के बावजूद यह स्पष्ट नहीं हुआ। इंदिरा गांधी के दौर में जब कांग्रेस सत्तारूढ़ होती थी, तब भी दलित, मुसलमान, सवर्ण, आदिवासी कांग्रेस के जनाधार होते थे, लेकिन पिछड़े कम ही कांग्रेस के साथ थे। अब कांग्रेस का नए सिरे से पुनरोत्थान कैसे होगा और वह पहले की तरह स्वीकृत और स्थापित पार्टी कैसे बनेगी, इस पर दावे तो खूब किए गए हैं, नेताओं-कार्यकर्ताओं का जोशीला आह्वान भी किया गया है, लेकिन पार्टी के जिला अध्यक्षों को ताकतवर बनाने से ही यह लक्ष्य हासिल नहीं किया जा सकता। राष्ट्रवाद आरएसएस-भाजपा का स्वीकार्य विचार है। महात्मा गांधी का राष्ट्रवाद बिल्कुल ही अलग है। कमोबेश कांग्रेस ने गांधी के राष्ट्रवाद को नहीं अपनाया है। कांग्रेस का राष्ट्रवाद क्या जातीय जनगणना से ही तय होगा? जातीय जनगणना और संविधान का फर्जी नेरेटिव कांग्रेस, सपा और विपक्ष के एक तबके ने लोकसभा चुनाव के दौरान प्रचारित किया था। खासकर दलितों में भ्रम फैलाया गया कि यदि भाजपा-एनडीए को 400 सीटें मिल गईं, तो सरकार संविधान को बदल सकती है। यदि संविधान के कुछ विशेष प्रावधान खत्म किए गए, तो आरक्षण भी समाप्त हो सकता है। केंद्र में भाजपा-एनडीए की सरकार है और संविधान-आरक्षण के साथ ऐसा कुछ भी नहीं किया गया है, लिहाजा जो दलित कांग्रेस की ओर गए थे, अब लौट कर अपना नया नेतृत्व तलाश रहे हैं।

कल हरियाणा आ रहे प्रधानमंत्री मोदी, देंगे कई सौगात

चंडीगढ़ (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 14 अप्रैल (सोमवार) को हरियाणा आ रहे हैं। वह यमुनानगर और हिसार में कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन करेंगे। ये परियोजनाएं न केवल हरियाणा के आधारभूत ढांचे को नई ताकत देंगी, बल्कि युवाओं के लिए रोजगार की नई राहें भी प्रशस्त करेंगी। सरकारी प्रवक्ता के अनुसार प्रधानमंत्री यमुनानगर में हरियाणा विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की 800 मेगावाट की आधुनिक थर्मल पावर यूनिट का शिलान्यास करेंगे। 233 एकड़ की विशाल भूमि पर बनने वाली इस तीसरी इकाई पर 8,469 करोड़ रुपए का निवेश होगा। 52 माह की समय-सीमा में यह परियोजना पूरी होगी और मार्च 2029 तक इसका व्यावसायिक संचालन शुरू होकर हरियाणा को ऊर्जा की रोशनी से आलोकित करेगा। यह इकाई हरियाणा को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित

होगी और उद्योगों के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। इसी क्रम में यमुनानगर-जगाधरी नगर निगम क्षेत्र के मुकरबपुर में 90 करोड़ की लागत से बीपीसीएल के सहयोग से कंप्रेस्ड बायोगैस प्लांट की आधारशिला रखी जा रही है। वर्ष 2027 तक पूर्ण होने वाली इस परियोजना की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2,600 मीट्रिक टन होगी। यह प्लांट न केवल जैविक कचरे के प्रबंधन में सहायक होगा, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी एक मील का पत्थर सिद्ध होगा। प्रधानमंत्री महाराजा अग्रसेन हवाई अड्डा हिसार से हवाई सेवाओं का शुभारंभ करेंगे। इस ऐतिहासिक पल में वे अयोध्या के लिए पहली उड़ान को हरी झंडी दिखाएंगे। हिसार से अयोध्या के लिए सप्ताह में 2 उड़ानें, हिसार-जम्मू, हिसार-अहमदाबाद, हिसार-जयपुर और हिसार-चंडीगढ़ के लिए सप्ताह में 3-3 उड़ानें देश और हरियाणा के उड्डयन के क्षेत्र में नया इतिहास रचेंगी। इसी दिन हिसार हवाई अड्डे के दूसरे चरण का शिलान्यास होगा, जिस पर 413 करोड़ रुपए की लागत आएगी। यह चरण 17 अप्रैल, 2027 तक पूरा होकर 37,790 वर्ग मीटर का भव्य पैसेंजर टर्मिनल, 2,235 वर्ग मीटर का कारगो टर्मिनल और एयर ट्रैफिक कंट्रोल भवन हरियाणा को गौरव प्रदान करेगा। यह हवाई अड्डा हिसार को कनेक्टिविटी का नया सितारा बनाएगा और व्यापार की नई ऊंचाइयों को छूने का मार्ग प्रशस्त करेगा। प्रदेश सरकार द्वारा प्रदेश के सर्वांगीण विकास और आधुनिक परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु उठाए जा रहे ठोस कदमों की एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में रेवाड़ी बाईपास परियोजना का सफल क्रियान्वयन संपन्न हुआ है। भारतमाला परियोजना के अंतर्गत हाइब्रिड एन्युइटी मोड पर 1069.42 करोड़ की लागत से निर्मित यह 14.4 किलोमीटर लंबा बाईपास अब वाणिज्यिक संचालन के लिए पूर्ण रूप से खोल दिया गया है। यह बाइपास न केवल रेवाड़ी शहर के यातायात भार को कम करेगा, बल्कि दिल्ली से नारनौल की यात्रा को एक घंटे तक कम कर, प्रदेश की आर्थिक और सामाजिक गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगा। प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में देश का आधारभूत ढांचा तीव्र गति से सशक्त हो रहा है, और यह परियोजना उसी प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

सुखबीर बादल बने शिरोमणि अकाली दल के प्रधान

चंडीगढ़ (हिंस)। आखिरकार कई महीने की अंदरूनी खींचतान के बाद सुखबीर सिंह बादल को दोबारा शिरोमणि अकाली दल का प्रधान चुन लिया गया। सुखबीर बादल का यह चौथा कार्यकाल होगा। पार्टी के करीब पांच सौ डेलीगेट सदस्यों ने शनिवार को अमृतसर में आयोजित कार्यकारिणी की बैठक में सुखबीर बादल को प्रधान चुना। इस चुनाव के बाद पार्टी के भीतर चल रही अंदरूनी कलह का अंत हो गया है। सुखबीर बादल के नेतृत्व पर सवाल खड़े करने वाले बागी अकाली भी अब शांत हो गए हैं। सुखबीर बादल पहली बार वर्ष 2008 में शिरोमणि अकाली दल के प्रधान चुने गए थे। इसके बाद सत्ता में आयी अकाली दल की सरकार के दौरान पंजाब में बेअदबी की घटनाओं ने पार्टी की छवि को धूमिल कर दिया। वर्ष 2017 के चुनाव में अकाली दल को काफी नुकसान झेलना पड़ा और 2022 के चुनाव में पार्टी केवल तीन सीटों पर सिमट गई। इसके बाद सुखबीर बादल के नेतृत्व पर सवाल उठने शुरू हो गए। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान अकाली दल को 13 में से केवल एक सीट पर ही जीत हासिल हुई। पार्टी के भीतर उठे विवाद को शांत करने के लिए सुखबीर बादल ने अकाल तख्त पर पेश होकर माफी भी मांगी और पिछले साल 16 नवंबर को अध्यक्ष पद से इस्तीफा

दे दिया। इसके बाद वरिष्ठ अकाली नेता बलविंद्र सिंह भूंदड़ को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया और फिर पंजाब में पार्टी द्वारा सदस्यता अभियान चलाया गया। जिला स्तर पर डेलीगेट सदस्य बनाए गए जिन्होंने शनिवार को फिर से सुखबीर बादल को प्रधान चुन लिया।

सरकार विनेश फोगाट को देगी प्लाट व नकद पुरस्कार : गौरव गौतम

चंडीगढ़ (हिंस)। पहलवान से कांग्रेस विधायक बनी विनेश फोगाट को मिलने वाले पुरस्कार को लेकर छिड़े विवाद पर सरकार ने रोक लगा दी है। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने महिला पहलवान को दिए जाने वाले सम्मान को लेकर सरकार के फैसले का ऐलान कर दिया है। विनेश फोगाट ने भी बतौर खिलाड़ी हरियाणा सरकार के फैसले का स्वागत किया है। शनिवार को हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि विनेश फोगाट को हरियाणा सरकार की तरफ से 4 करोड़ रुपए और एक प्लॉट देने का फैसला किया गया है। गौतम ने कहा कि नायाब सरकार की खेल नीति से आम लोगों में एक अलग उत्साह देखने को मिल रहा है जिससे युवाओं में खेल के प्रति ध्यान आकर्षित हो रहा है। वहीं विनेश फोगाट को सरकार की तरफ से सरकारी नौकरी का भी ऑफर दिया गया था परंतु उन्होंने विधायक होने के नाते नौकरी लेने से इनकार कर दिया है। विभागीय अधिकारियों ने इस संबंध में कार्यवाही शुरू कर दी है। बहुत जल्द महिला खिलाड़ी को उनकी मांग के अनुसार सम्मान राशि व प्लाट दिया जाएगा। इस बीच विनेश फोगाट ने सोशल मीडिया एक्स पर एक के बाद एक तीन पोस्ट डालकर कहा कि खिलाड़ी की मेहनत को सम्मान मिले-यही असली जीत है। मुझे जनता ने बहुत कुछ दिया है प्यार, सम्मान, विश्वास, हिम्मत और हौंसला। अब वक्त है इस सबका ऋण चुकाने का। एक जनप्रतिनिधि होने के नाते और जिस संघर्ष का मैं हिस्सा रही हूं उसे देखते हुए मेरी जिम्मेदारियां अब सिर्फ एक खिलाड़ी की नहीं, बल्कि उन हजारों सपनों की हैं जो खेल के जरिए एक सुरक्षित वातावरण में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि यह हमेशा मेरा सपना रहा है कि मैं अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों के लिए बेहतर सुविधाएं और अच्छा खेल वातावरण दे सकूं। अब वह समय आ गया है। सर्व-समाज और हरियाणा सरकार द्वारा मुझे ओलंपिक्स में मेरे प्रदर्शन के लिए जो मान-सम्मान दिया गया है मैं उसके लिए हमेशा आभारी रहूंगी। सरकार द्वारा दी जाने वाली यह पुरस्कार राशि केवल एक इनाम नहीं है यह एक अवसर है, एक जरिया है उस सपने को साकार करने का, जो मैं सालों से देखती आ रही हूं। इसलिए इस पुरस्कार राशि का उपयोग अंतरराष्ट्रीय लेवल की खेल अकादमी की स्थापना में किया जाएगा, जहां युवा खिलाड़ी बेहतरीन संसाधनों के साथ अपनी प्रतिभा को नई ऊंचाइयों तक ले जा सकें। एक ऐसी अकादमी जहां युवा खिलाड़ी न सिर्फ संसाधनों की कमी से मुक्त हों, बल्कि उन्हें वो सम्मान और प्रेरणा भी मिले जो हर मेहनती खिलाड़ी का अधिकार है इसलिए मुझे आप सब के सहयोग की जरूरत पड़ेगी, क्योंकि यह सिर्फ मेरा नहीं, हम सबका सपना है और इसे पूरा करना भी हम सबकी जिम्मेदारी है।

शाहपुरा में कुएं में गिरने से मां-बेटी की मौत

भीलवाड़ा (हिंस)। भीलवाड़ा जिले के शाहपुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले देवखेड़ा गांव में शुक्रवार मध्य रात को एक हादसे में मां और सात वर्षीय बेटी की मौत हो गई। यह हादसा गांव के पास खेत में बने एक कुएं में गिरने से हुआ, जिसकी सूचना देर रात पुलिस को दी गई। मृतकों की पहचान रतनी देवी (32 वर्ष) और उसकी सात वर्षीय बेटी रवीना के रूप में हुई है। दोनों देवखेड़ा गांव की निवासी थीं। घटना की जानकारी मिलते ही शाहपुरा थाने के सीआई सुरेशचंद्र पुलिस जाब्ते के साथ मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकलवाया गया। लगभग मध्यरात्रि 12 बजे रेस्क्यू ऑपरेशन पूरा हुआ और दोनों शवों को जिला चिकित्सालय की मोर्चरी में भिजवाया गया, जहां शनिवार सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा। परिजनों ने बताया कि रतनी देवी शुक्रवार देर सांय अपने खेत पर खाद डालने के लिए गई थी। उसने अपनी बेटी रवीना को भी साथ लिया, जबकि उसका 12 वर्षीय बेटा घर पर ही रहा। देर रात तक जब रतनी घर नहीं लौटी तो परिवार के लोग चिंतित हुए और खेत की ओर तलाश में निकले। खेत पहुंचने पर कुएं के पास महिला की चप्पलें दिखाई दीं। फिर रेस्क्यू आपरेशन किया गया। घटना की खबर से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर एकत्र हो गई। फिलहाल हादसे के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। शाहपुरा पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और मौके की परिस्थितियों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। प्रथम दृष्टया मामला दुर्घटना का प्रतीत हो रहा है।

वाणिज्यिक न्यायालय ने बताया शराब खरीद घोटाला, सीएजी और सीबीआई जांच की सिफारिश

जयपुर (हिंस)। वाणिज्यिक न्यायालय, द्वितीय ने राजस्थान स्टेट बेवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड और यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड के बीच शराब की खरीद के भुगतान के मामले में जहां 9.11 करोड़ रुपए लौटाने का आदेश दिया, वहीं शराब खरीद में भ्रष्टाचार और घोटाले की आशंका जताते हुए सरकार से इसकी सीएजी और सीबीआई से जांच कराने को कहा है। न्यायालय ने कहा कि वर्ष 2019-20 की लागत के अनुसार 205 फीसदी से 696 फीसदी तक भारी मार्जिन वसूला गया। आरएसबीसीएल, आबकारी विभाग और वित्त विभाग ने इसका पूरा बोझ भी आम जनता पर डाल दिया। शराब की कीमत में कस्टम ड्यूटी, लाइसेंस फीस, वैट, आयात परमिट शुल्क, और आरएसबीसीएल का 0.50 फीसदी कमीशन भी उपभोक्ताओं से वसूला गया। न्यायालय ने आश्चर्य जताया कि आधा प्रतिशत का मुनाफा भी आपूर्तिकर्ताओं के बजाय उपभोक्ताओं से वसूला गया। अदालत ने कहा कि मनमाने ढंग से मूल कीमत बढ़ाई गई। हालांकि अदालत ने कहा कि उसकी तकनीकी विशेषज्ञता की सीमा है और मामले की जांच की आवश्यकता जताते हुए मामला मुख्य सचिव को भेज दिया। कोर्ट ने कहा कि सीएजी से विशेष ऑडिट कराई जाए और आवश्यकता होने पर सीबीआई या एंटी करप्शन ब्यूरो में एफआईआर दर्ज करवा कर जांच करवाई जाए। कोर्ट ने राजस्थान स्टेट बेवरेजेज कारपोरेशन लिमिटेड की याचिका स्वीकार कर 6 नवंबर 2023 को पारित पंचाट निर्णय को रद्द कर दिया है। न्यायालय ने यूनाइटेड स्पिरिट्स लिमिटेड पर 40 लाख रुपए जुर्माना भी लगाया है। वित्त वर्ष 2019-20 में सीमा शुल्क में अधिक भुगतान के नाम पर आपूर्तिकर्ताओं से वसूले गए 13.61 करोड़ रुपए से अधिक राशि और 20 लाख रुपए जुर्माना राज्य के समेकित कोष में जमा करने को कहा। इसके अलावा 20 लाख रुपए रजिस्ट्रार जनरल के जरिए हाईकोर्ट के पक्षकार कल्याण कोष में जमा कराए जाएंगे। अदालत ने मुख्य सचिव को आदेश की प्रति भेजकर उनसे 31 मई 2025 तक कार्रवाई रिपोर्ट पेश करने को भी कहा है। इस मामले में आरएसबीसीएल ने आरोप लगाया कि यूनाइटेड स्पिरिट्स ने सीमा शुल्क में कमी की जानकारी छुपाई और 13.61 करोड़ रुपए से अधिक का लाभ उठाया।

धूमधाम से मनाई पीपा जयंती, शोभायात्रा निकाली

जोधपुर (हिंस)। संत शिरोमणि पीपा महाराज का 702वां जयंती महोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर शहर में चल रहे दो दिवसीय पीपा जयंती महोत्सव के तहत संत पीपा महाराज की आकर्षक झांकियांयुक्त शोभायात्रा निकाली गई। इस शोभायात्रा में शामिल झांकियों ने शहरवासियों का मन मोह लिया। श्री समस्त पीपा क्षत्रिय न्याति ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रकाश चावड़ा व सचिव नरेश सोलंकी ने बताया कि 702वीं पीपा जयन्ती आज श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाई गई। पीपा जयंती पर आयोजित दो दिवसीय कार्यक्रमों के तहत आज शोभायात्रा निकाली गई। सुबह विजय चौक स्थित पीपा महाराज के मंदिर सहित विद्यानगर, हनुमानजी की भाखरी, मसूरिया तथा चांदपोल स्थित मन्दिरों में भक्तों द्वारा पूजा अर्चना

की गई। इसके बाद हवन अनुष्ठान हुआ। यजमान दम्पती द्वारा हवन में आहुतियां देकर विश्व कल्याण की कामना की गई। विजय चौक से सुबह पीपा महाराज की शोभायात्रा निकाली गई। विजय चौक स्थित पीपा महाराज के मंदिर से जेडीए के पूर्व अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोलंकी, नगर निगम उत्तर की महापौर कुन्ती परिहार, केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत की धर्मपत्नी नोनद कंवर, भाजपा के शहर जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल, नरेंद्र कच्छावाहा, पार्षद भीमराज राखेचा, पार्षद कब्बूलाल दहिया, पार्षद राजेन्द्र टाक, पार्षद अशोक खींची, न्याति के पूर्व अध्यक्ष भंवरलाल दहिया, नरेंद्र चौहान तथा आसूलाल दहिया ने केसरिया ध्वज दिखलाकर शोभायात्रा को रवाना किया। विद्यानगर तथा सूरसागर से आने वाली झांकियां विजय चौक पहुंचकर मुख्य शोभायात्रा में शामिल हुई। शोभायात्रा में आकर्षक झांकियां शामिल थी। इनमें संत पीपा महाराज की जीवनी से संबंधित झांकी के साथ ही भारतीय सनातन संस्कृति से ओतप्रोत झांकियां लोगों का मन मोह रही थी। शोभायात्रा में मातृशक्ति मंगल कलश चल रही थी। मुख्य शोभायात्रा विजय चौक मंदिर से रवाना होकर अजय चौक, उम्मेद चौक, त्रिपोलिया बाजार, सोजती गेट, नई सडक़, मोहनपुरा पुलिया होते हुए रातानाडा स्थित न्याति भवन पहुंची। शोभायात्रा का जगह जगह स्वागत किया गया। विसर्जन के बाद रातानाडा स्थित आर्य समाज के भवन में पीपा प्रसादी का आयोजन रखा गया। करीब दस हजार समाज बंधुओं ने सामूहिक प्रसादी में शिरकत की। इसी के साथ दो दिवसीय पीपा जयन्ती महोत्सव का समापन हो गया। मसूरिया बाबा मंदिर ट्रस्ट द्वारा भी संत शिरोमणि पीपी महाराज का 702वां जयंती महोत्सव धूमधाम के साथ मनाया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नरेंद्र कुमार चौहान ने बताया कि दर्जियों का चौक स्थित राम बंगला में सुबहहवन तथा पूजा पाठ का आयोजन किया गया। इसके बादे सिद्धेश्वर महादेव मंदिर पर सुन्दरकाण्ड का पाठ तथा पूजा अर्चना की गई। चांदपोल स्थित गंगा दासजी के मंदिर पर पूजा अर्चना कर विश्व कल्याण की कामना की गई। इसके बाद मसूरिया स्थित संत पीपा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि तथा पूजा अर्चना की गई। साथ ही चांदपोल स्थित बाबा के मंदिर पर पूजा पाठ तथा ईश वन्दना की गई। दोपहर में मसूरिया स्थित बगीची में सामूहिक प्रसादी का आयोजन हुआ।

प्रधानमंत्री 24 को बिहार के लिए देंगे कई सौगातें : शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय मंत्री ने राजग घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ की बैठक

पटना (हिंस)। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि बिहार के विकास के लिए केंद्र सरकार लगातार राज्य सरकार के साथ कंधा से कंधा मिलाकर विकास कार्यों को अमली जामा पहना रही है। केंद्र की मोदी सरकार ने बिहार को कई सौगात दी हैं। प्रधानमंत्री 24 अप्रैल को एक बार फिर बिहार आ रहे हैं, जो कि बिहार को तमाम सौगातें देंगे। वह शनिवार को सचिवालय सभागार में राजग घटक दलों के प्रदेश अध्यक्षों के साथ बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि आगामी 24 अप्रैल को पंचायती राज दिवस है और उस दिन एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बिहार की जनता को अनेकों सौगात देने आ रहे हैं। पंचायती राज के चुने हुए प्रतिनिधियों का सम्मेलन तो होगा ही,साथ ही पूरा देश उससे जुड़ेगा। कई योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास होगा। ग्रामीण विकास विभाग की योजनाओं का लाभ भी बिहार की जनता को को मिलेगा। पिछले

साल गरीबों को 7 लाख 90 हजार मकान पीएम आवास योजना के अंतर्गत लोगों को दिए गए थे। 5 लाख 20 हजार मकान जो बचे हुए थे वह भी दिए जाएंगे। शिवराज सिंह ने कहा कि पीएम मोदी के हाथों 5 लाख 20 हजार नए स्वीकृत मकानों का लाभ दिया जाएगा। जिस पर 8,000 करोड़ की लागत से मकान का निर्माण किया जाएगा। मधुबनी में लाखों की संख्या में लोग आएंगे, ऐतिहासिक कार्यक्रम होगा। बिहार सरकार के कामकाज की तारीख करते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि राज्य में ग्रामीण विकास योजना का बहुत ही बेहतर क्रियान्वयन हो रहा है। मैं बिहार सरकार को बधाई देता हूं, बिहार में 3 लाख से अधिक लखपति दीदी बन चुकी हैं। इसी वर्ष 20 लाख बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उल्लेखनीय है कि राज्य के राजनीतिक परिदृश्य और मधुबनी में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यक्रम की तैयारियों पर चर्चा के लिए प्रदेश के सभी पांच घटक दलों (भाजपा-जदयू, लोजपा-आर, हम, रलोजपा) की बैठक आज बुलाई गई थी। बैठक में केंद्रीय पंचायती राज मंत्री राजीव रंजन उर्फ ललन सिंह, जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिलीप जायसवाल, दोनों डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा समेत घटक दलों के नेता मौजूद रहे। बैठक के बारे में पटना में मीडिया से बात करते हुए जदयू के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर मधुबनी आ रहे हैं। वे वहां एक जनसभा को संबोधित करेंगे, इसलिए बैठक बुलाई गई है।

संपूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण जरूरी : डॉ. शशिकांत

गोरखपुर (हिंस)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) के फार्मेसी संकाय में उन्नति फाउंडेशन के सहयोग से आयोजित 30 दिवसीय सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन शनिवार को हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित फार्मेसी संकाय के अधिष्ठाता डॉ. शशिकांत सिंह ने कहा कि सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास के लिए सॉफ्ट स्किल को विकसित करना जरूरी है। डॉ. सिंह ने कहा कि यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विद्यार्थियों के संप्रेषण कौशल, आत्मविश्वास, नेतृत्व गुण और पेशेवर शिष्टाचार को निखारने के उद्देश्य से आयोजित किया गया। पूरे प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न गतिविधियों में

भाग लिया और आज के समारोह में उन्होंने अपनी क्षमता का उत्कृष्ट प्रदर्शन अंग्रेजी भाषा में प्रस्तुत किया। केवल 30 दिनों में विद्यार्थियों में जो परिवर्तन देखा गया, वह अत्यंत प्रेरणादायक है। सॉफ्ट स्किल प्रशिक्षक शिवानंद त्रिपाठी और कक्षा समन्वयक श्रेया मद्धेशिया ने भी विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर कई विद्यार्थियों ने प्रशिक्षण से जुड़े अपने अनुभव साझा किए जबकि कई विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन अनामिका पांडेय, अमन यादव, आदर्श कुमार, सुभाषचंद यादव ने तथा आभार ज्ञापन अजय यादव और अंकिता ने किया। इस अवसर पर फार्मेसी संकाय के शिक्षकगण जूही तिवारी, नंदिनी जायसवाल, श्रेया मद्धेशिया, प्रवीन कुमार सिंह, डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. अमित उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

दस्तावेज सत्यापन के बाद 35 अभ्यर्थियों को मिला नियुक्ति पत्र, कई अभ्यर्थी वंचित

नालंदा (हिंस)। पंचायती राज विभाग, बिहार सरकार के तत्वावधान में शनिवार को जिला पंचायत संसाधन केंद्र बिहारशरीफ के सभागार में ग्राम कचहरी सचिव पद के लिए दस्तावेज सत्यापन, काउंसलिंग और नियोजन पत्र वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की निगरानी जिला पंचायती राज पदाधिकारी सुनिधि द्वारा की गई। इस अवसर पर जिले के सभी प्रखंडों के लिए अलग-अलग टेबल लगाए गए थे, जहां चयनित अभ्यर्थियों के शैक्षणिक एवं अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। सत्यापन के उपरांत पात्र अभ्यर्थियों को नियोजन पत्र प्रदान किए गए। बीपीआरओ (बिहारशरीफ) विश्वजीत कुमार ने बताया कि ग्राम कचहरी सचिव पद के लिए कुल 68 अभ्यर्थियों का चयन किया गया था। इनमें से 60 अभ्यर्थी काउंसलिंग में उपस्थित हुए, जिनमें से 48 का नियोजन किया गया। इनमें से 35 अभ्यर्थियों को मौके पर ही नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कुछ पंचायतों के सरपंचों की अनुपस्थिति के कारण 13 नियुक्ति पत्र फिलहाल पेंडिंग रखे गए हैं। इसके अलावा

नियोजन प्रक्रिया को पूर्ण नहीं कर पाने के कारण पांच अभ्यर्थियों का नियोजन रद्द कर दिया गया, जबकि पांच अन्य अभ्यर्थियों की तकनीकी खामियों के कारण उनकी नियुक्ति प्रक्रिया रोक दी गई है। संबंधित मामलों की सूचना विभाग को भेज दी गई है, और आगे आदेश मिलने के बाद नियोजन पर निर्णय लिया जायेगा। ग्राम कचहरी सचिव पद की मेरिट लिस्ट में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले कुछ अभ्यर्थी तकनीकी या दस्तावेजीय कारणों से नियोजन पत्र से वंचित रह गए।

संविधान शिल्पी के प्रति युवाओं के मन में और अलख जगाएगी योगी सरकार

बाबा साहेब की 134वीं जयंती धूमधाम से मनाएगी योगी सरकार

लखनऊ (हिंस)। योगी सरकार *संविधान शिल्पी* डॉ. भीमराव आंबेडकर के प्रति युवाओं के मन में और अलख जगाएगी। योगी सरकार ने बाबा साहेब की 134वीं जयंती को धूमधाम से मनाने का निर्णय लिया है। बाबा साहेब की जयंती के उपलक्ष्य में एक दिन पहले 13 अप्रैल की सुबह से ही अनेक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। वहीं 14 अप्रैल को जयंती पर भी अनेक आयोजन किए जाएंगे। युवा बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर के कृतित्व व व्यक्तित्व से भी परिचित होंगे। आंबेडकर जयंती पर योगी सरकार प्रदेश व देश के कलाकारों को मंच मुहैया कराएगी। बाबा साहेब की 134वीं जयंती (14 अप्रैल) से एक दिन पहले 13 अप्रैल की सुबह 6.30 बजे मरीन ड्राइव से अंबेडकर पार्क तक भीम पदयात्रा निकलेगी। यह पदयात्रा माय भारत के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना व नेहरू युवा केंद्र संगठन द्वारा निकाली जाएगी। एनएसएस की विशेष कार्याधिकारी व राज्य संपर्क अधिकारी डॉ. मंजू सिंह ने बताया कि पदयात्रा में लखनऊ विश्वविद्यालय, बाबू बनारसी दास विवि, ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती भाषा विश्वविद्यालय, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विवि, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय, केंद्रीय संस्कृत विवि, डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विवि, उप शिक्षा निदेशक लखनऊ मंडल के कुल 1400 विद्यार्थी हिस्सा लेंगे। इस पदयात्रा का शुभारंभ योगी सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय करेंगे। इस यात्रा के जरिए डॉ. आंबेडकर के कृतित्व व व्यक्तित्व से युवाओं को अवगत कराया जाएगा। योगी सरकार की तरफ से देश-प्रदेश के कलाकारों को मंच देगा संस्कृति विभाग योगी सरकार बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के जन्मदिवस पर देश-

प्रदेश के कलाकारों को मंच मुहैया कराएगी। यह सभी कार्यक्रम बाबा साहेब पर आधारित होंगे। डॉ. भीमराव आंबेडकर मेमोरियल गोमती नगर दोपहर एक से रात 8.30 बजे तक कार्यक्रम होंगे। लखीमपुर खीरी के श्यामजीत सिंह व मऊ के त्रिभुवन भारती लोकगीत पर प्रस्तुति देंगे। लखनऊ के विपिन कुमार *अभी सपना अधूरा है* नृत्य नाटिका से बाबा साहेब के जीवन पर प्रकाश डालेंगे। बाबा साहेब पर आधारित नृत्य नाटिका: *आंबेडकर प्यारा* की प्रस्तुति लखनऊ की निहारिका कश्यप व टीम करेगी। बलिया के रामदुलार, वाराणसी के भइया लाल पाल व गोरखपुर के मनोज कुमार पासवान बिरहा की प्रस्तुति देंगे। मुंबई के अनिरुद्ध वनकर सांस्कृतिक संध्या प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ योगी सरकार के पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह करेंगे। लखनऊ के रामनिवास पासवान, भदोही की लक्ष्मी रागिनी, लखनऊ की शुभम रावत व जया कुमारी का कार्यक्रम होगा। विभाग की तरफ से बाबा साहेब के जीवन पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी भी लगाई जाएगी। वहीं सुबह 9 बजे से बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर महासभा परिसर में भी जन्म दिवस समारोह मनाया जाएगा। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शिरकत करेंगे।

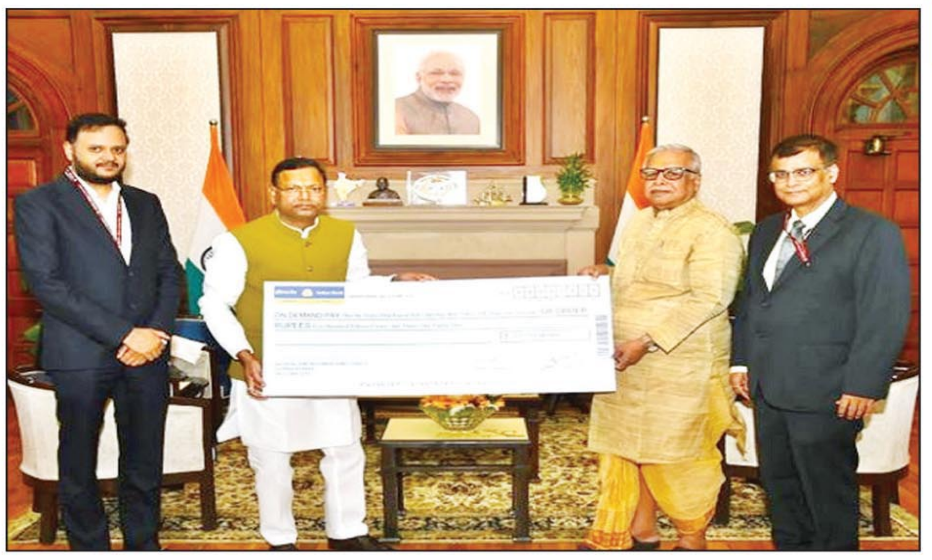

रोज वैली पोंजी घोटाला : केंद्र सरकार ने 7.5 लाख पीड़ितों की मदद के लिए उठाया बड़ा कदम

परिसंपत्ति निपटान समिति को 515 करोड़ का डीडी सौंपा

नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त राज्यमंत्री पंकज चौधरी ने परिसंपत्ति निपटान समिति के अध्यक्ष रिटायर्ड जस्टिस डीके सेठ को शनिवार को 515.31 करोड़ रुपये का डिमांड डॉफ्ट सौंपा। समिति का गठन रोज वैली पोंजी घोटाले में वैध निवेशकों को उनकी संपत्ति लौटाने के उद्देश्य से किया गया था। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में यह जानकारी दी।

अनुमान है कि इस राशि का उपयोग एसेट डिस्पोजल कमेटी के पास अब तक दर्ज किए गए 31 लाख दावों में से लगभग 7.5 लाख पीड़ितों को धन वापस दिलाने के लिए किया जाएगा। इससे पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एडीसी को 22 करोड़ रुपये की राशि सौंपी थी जिसका उपयोग 32,319 वैध निवेशकों को धन वापस दिलाने के लिए किया गया था।

मंत्रालय के मुताबिक ईडी ने वर्ष 2015-17 में मनी ट्रेल की जांच करके और 2,987 अलग-अलग बैंक खातों का पता लगाकर 515.31 करोड़ रुपये की धनराशि जब्त की थी, जिसमें निर्दोष पीड़ितों से एकत्र की गई धनराशि को भेजा गया था। इसके बाद कानून की उचित प्रक्रिया के बाद उक्त बैंक खातों को जब्त या अटैच कर दिया गया और न्यायाधिकरण द्वारा कुर्की की पुष्टि के बाद उन्हें 700 से अधिक सावधि जमा में बदल दिया गया। ईडी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, असम और त्रिपुरा राज्यों में रोज वैली ग्रुप के खिलाफ पांच धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के मामलों की जांच कर रहा है।

उल्लेखनीय है कि ईडी ने 1,172 करोड़ रुपये की अन्य चल और अचल संपत्तियां भी जब्त की हैं, जो परिसमापन और पीड़ितों को वापस करने की प्रक्रिया में है। ईडी ने इन सभी मामलों में पीएमएलए के तहत विशेष अदालतों के समक्ष अभियोजन शिकायतें दायर की हैं।

खबरें संक्षेप में

इंडियन ओवरसीज बैंक ने कर्ज पर ब्याज दर 0.25% घटाई, नई दरें लागू

नई दिल्ली/चेन्नई। पंजाब नेशनल बैंक सहित 4 अन्य बैंकों के बाद सार्वजनिक क्षेत्र के एक और बैंक इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) ने रेपो रेट से संबद्ध ब्याज दर में 0.25 फीसदी की कटौती की है। नई दरें 12 अप्रैल, 2025 से प्रभावी हो गई हैं। बैंक ने शनिवार को एक बयान में बताया कि बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट (आईपी) को 25 आधार अंकों (0.25 फीसदी) की कटौती के साथ मौजूदा 9.10 फीसदी से घटाकर 8.85 फीसदी कर दिया है। यह कटौती 12 अप्रैल 2025 से प्रभावी हो गई है। यानी कि आज के बाद से बैंक से लोन लेने वालों लोगों की ईएमआई कम हो जाएगी और उनको कम रुपये ब्याज को तौर पर चुकाने होंगे। आईओबी की विज्ञप्ति के मुताबिक परिसंपत्ति देयता प्रबंधन समिति ने 11 अप्रैल को आयोजित अपनी बैठक में ग्राहकों को रेपो दर में कटौती का लाभ देने का निर्णय लिया। इसके बाद बैंक ने तत्काल प्रभाव से बैंक की रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट में 25 आधार अंकों की कटौती की है। उल्लेखनीय है कि हाल ही में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की समीक्षा बैठक में नीतिगत दर रेपो रेट को 6.25 फीसदी से घटाकर 6 फीसदी कर दिया है। इसके बाद इंडियन ओवरसीज बैंक सहित पांच बैंक ने लोन पर ब्याज दरें घटाई है।

भारत का इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन पहुंचेगा नई ऊंचाई पर

नई दिल्ली। भारत सरकार ने अपने सेमीकंडक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मिशन को तेजी से आगे बढ़ाने का किया ऐतिहासिक प्रयास। इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की कि भारत ने 2030 तक 500 अरब डॉलर के इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन की उत्कृष्टता की दिशा में कदम बढ़ाया है। इस उद्देश्य को पूरा करने के लिए, भारत में कई योजनाएं और पहले शुरू की गई हैं। मंत्री ने बताया कि भारत में 25 ऐसे चिपसेट डिजाइन किए जा रहे हैं जिनकी बौद्धिक संपदा भारत के पास होगी। इन चिप्स का इस्तेमाल सुरक्षा से जुड़े उपकरणों में किया जाएगा। सरकार ने देशभर के 240 कॉलेजों और संस्थानों को उन्नत चिप डिजाइन टूल्स भी दिए हैं। इन टूल्स का उपयोग करके छात्रों ने पहले 20 चिप्स का निर्माण किया है जो अब मोहाली स्थित सेमीकंडक्टर लैब में तैयार हो जाएगा। इस पहल से भारत में स्टार्टअप्स और प्रतिभा विकास को मिलेगी मजबूत सहायता। इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में पिछले दशक में 17 फीसदी की सीएजीआर से 5 गुना वृद्धि हुई है और 25 लाख से अधिक नौकरियां पैदा हुई हैं। इसके अलावा, भारत में एआई क्षेत्र में उच्च कंप्यूटिंग क्षमता उपलब्ध करवाने के लिए जीपीयू आधारित कंपनियों का नया पैनल भी तैयार हो रहा है। सरकार ने 27 विशेष ऐप जैसे कृषि, मौसम, जलवायु और शिक्षा से जुड़े एआई समाधान विकसित किए जा रहे हैं। इस सफलता के लिए मंत्री ने भी डिजिटल निजी डेटा सुरक्षा अधिनियम के महत्व को उजागर किया और विश्वसनीय डेटा की गुप्तता सुनिश्चित करने के लिए सरकार का पूरा समर्थन जताया।

वैश्विक पोत परिवहन उद्योग पर लगेगा कार्बन कर

नई दिल्ली। भारत समेत 62 अन्य देशों ने संयुक्त राष्ट्र की पोत परिवहन एजेंसी के उद्योग पर पहले वैश्विक कार्बन कर लगाने की मंजूरी दी है। इस हिसाब से जहाजों को कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कार्रवाई करनी होगी। यह निर्णय स्वच्छ प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण कदम है। लंदन में आयोजित एक सप्ताह की गहन बातचीत के बाद अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) ने इस मामले पर निर्णय लिया। इस समझौते के अनुसार, 2028 से जहाजों को कम उत्सर्जन वाले ईंधन का उपयोग करना होगा या फिर प्रदूषण के लिए शुल्क भुगतान करना होगा। इस से 2030 तक लगभग 40 अरब अमेरिकी डॉलर की राशि जुटाई जा सकती है। यह समझौता अंतरराष्ट्रीय जलवायु नीति के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है और इसके माध्यम से समुद्री क्षेत्र को कार्बन मुक्त बनाने के लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश की जाएगी।

बीते सप्ताह शेयर बाजार में मामूली गिरावट सेंसेक्स 429.40 अंक बढ़कर हुआ बंद

■ निफ्टी 524.75 अंक बढ़कर 22,923 पर बंद

मुंबई

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा लगाए गए टैरिफ की वजह से बीते सप्ताह पिछले सप्ताह मामूल गिरावट के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह गुरुवार को महावीर जयंती के अवसर पर शेयर बाजार में अवकाश रहने की वजह से एक दिन कम कारोबार हुआ। घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को भारी गिरावट देखी गई। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 4000 अंक के करीब गिरकर 71,449.94 पर खुला और 2,226.79 अंक गिरकर 73,137.90 पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी 1000 अंक से ज्यादा की गिरावट लेकर 21,758.40 पर खुला और 742.85 अंक गिरकर 22,161.60 पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में बढ़त के कारण मंगलवार को शेयर बाजार में रौनक लौट आई। सेंसेक्स 1175.90 की बढ़त के साथ 74,313.80 अंक पर खुला और 1,089.18 अंक उछलकर 74,227.08 अंक पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी तेजी आई, यह 390 अंक से ज्यादा के साथ 22,446.75 पर खुला और 374.25 अंक या 1.69 प्रतिशत बढ़कर 22,535.85 पर बंद हुआ। बुधवार को शुरुआती कारोबार में बीते दिन शेयर बाजार की तेज रफ्तार ब्रेक लगाते हुए सेंसेक्स और निफ्टी नकारात्मक रुख के साथ कारोबार करते दिखे।

सेंसेक्स 554.02 अंक गिरकर 73,673.06 अंक पर खुला और 379.93 अंक या 0.51 प्रतिशत गिरकर 73,847.15 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 178.85 अंक गिरकर 22,357 अंक पर खुला और 182.6 अंक या 0.81 प्रतिशत गिरकर 22,353.25 अंक पर बंद हुआ। अमेरिका की ओर से 9 जुलाई तक 90 दिनों के लिए भारत पर पर लगने वाले जवाबी टैरिफ को टालने की घोषणा के बाद शुक्रवार को शुरुआती कारोबार में बेंचमार्क शेयर सूचकांक उछले। सुबह बीएसई सेंसेक्स 1,469.21 अंक बढ़कर 75,342.70 अंक पर खुला और 429.40 अंक बढ़कर 22,828.55 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 472.25 बढ़कर 22,871.40 के स्तर पर खुला 524.75 अंक या 2.34 प्रतिशत बढ़कर 22,923.90 अंक पर बंद हुआ।

बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बेहतर प्रदर्शन करेगा भारत

मुंबई। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने भारत पर ओवरवेट कॉल जारी कर कहा है कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच भारत दूसरे उभरते बाजारों (ईएम) से बेहतर प्रदर्शन को तैयार है। अपने नए नोट में वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि हालांकि सूचकांक के पूर्ण प्रदर्शन का अनुमान लगाना कठिन है, लेकिन भारत को अपेक्षाकृत बेहतर प्रदर्शन करने वाला देश बने रहना चाहिए। वैश्विक ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि अमेरिका और चीन की मांग के प्रति भारत का सीमित जोखिम एक की-बफर है। सबसे बड़ा निर्यात पार्टनर होने के बावजूद भी अमेरिका को भारत का निर्यात देश के सकल घरेलू उत्पाद का मात्र 2.3 प्रतिशत है। व्यापार अधिशेष भी उतना ही मामूली है, इससे अमेरिका की सख्त व्यापार नीति का प्रभाव कम हो जाता है। अमेरिका ने भारतीय वस्तुओं पर 26 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। लेकिन यह आंकड़ा चीन, इंडोनेशिया और ताइवान पर लगे शुल्कों की तुलना में अभी भी कम है।

इस सप्ताह सिर्फ 3 दिन खुलेंगे शेयर बाजार

मुंबई। शेयर बाजार में निवेश करने वालों के लिए यह खबर बेहद जरूरी है। अप्रैल के मध्य में लगातार छुट्टियों के चलते ट्रेडिंग के मौके बेहद सीमित रहने वाले हैं। दो लॉन्ग वीकेंड पड़ने के कारण शेयर बाजार दो बार लगातार तीन-तीन दिन तक बंद रहेगा। ऐसे में निवेशक अगले हफ्ते केवल तीन दिन ही बाजार में निवेश कर सकते हैं। 15 अप्रैल मंगलवार, 16 अप्रैल बुधवार और 17 अप्रैल गुरुवार को ही ट्रेडिंग के मौके मिलेंगे। पूरा शेड्यूल इस प्रकार है- 14 अप्रैल को अंबेडकर जयंती के चलते बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर कोई कामकाज नहीं होगा। 18 अप्रैल 2025 शुक्रवार को गुड फ्राइडे के चलते शेयर बाजार में कोई कामकाज नहीं होगा और 19 अप्रैल शनिवार के चलते शेयर बाजार में कोई कामकाज नहीं होगा।

एपीडा ने अरुणाचल प्रदेश में आयोजित की अंतरराष्ट्रीय क्रेता-विक्रेता बैठक

■ 50 से अधिक एफपीओ और 200 किसानों के साथ बातचीत

नई दिल्ली

देश के पूर्वोत्तर क्षेत्र से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात को बढ़ावा देने के लिए कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने अरुणाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) की मेजबानी की।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि एपीडा ने प्रदेश सरकार के सहयोग से अरुणाचल प्रदेश और भारत के व्यापक पूर्वोत्तर क्षेत्र (एनईआर) से कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिए अरुणाचल प्रदेश के तवांग में कलावांगपो कन्वेंशन हॉल में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक (आईबीएसएम) का आयोजन किया। बैठक में अरुणाचल प्रदेश सरकार के मुख्य सचिव (सीएस) मनीष गुप्ता, भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय सचिव सिराज हुसैन और एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव सहित केंद्र और भारत सरकार के कई अधिकारी मौजूद थे।

मंत्रालय के मुताबिक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सह क्रेता-विक्रेता बैठक में संयुक्त अरब अमीरात, नेपाल और भूटान सहित 3 देशों के 11 अंतरराष्ट्रीय खरीदारों के बीच असम, महाराष्ट्र, दिल्ली, हैदराबाद, कर्नाटक, गुजरात और पश्चिम बंगाल सहित 7 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (यूटी) के 17 भारतीय निर्यातकों के साथ सीधी बातचीत संभव हुई। देशभर के निर्यातकों ने इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले अरुणाचल प्रदेश के 50 से अधिक एफपीओ और 200 किसानों के साथ बातचीत की और कृषि उपज की गुणवत्ता, उपलब्धता और उत्पादन मात्रा को समझा।

एपीडा अध्यक्ष अभिषेक देव ने इस बैठक में प्रमुख राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेलों में भागीदारी के लिए अरुणाचल प्रदेश से किसान उत्पादक संगठनों /किसान उत्पादक कंपनियों (एफपीसी) की पहचान करने के लिए प्रोत्साहित किया, ताकि बाजार तक पहुंच, प्रचार और आउटरीच हो सके। एपीडा कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के निर्यात को विकसित करने, सुविधा प्रदान करने और बढ़ावा देने के लिए काम करता है।

बुल्गारिया में अग्रणी मोटरसाइकिल प्रदर्शनी, मोटो एक्सपो 2025

बुल्गारिया में अग्रणी मोटरसाइकिल प्रदर्शनी, मोटो एक्सपो 2025, नवीनतम उद्योग रुझानों को प्रदर्शित करने और बिक्री को बढ़ावा देने के लिए शुरू हुई।

सीईए ने वित्त वर्ष 2024-25 में 7.5 गीगावाट की 6 हाइड्रो-पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर सहमति जताई

नई दिल्ली

विद्युत मंत्रालय के तहत केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रिकॉर्ड समय में करीब 7.5 गीगावाट की 6 हाइड्रो पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) पर सहमति व्यक्त की है, जो उन्नत दीर्घकालिक ऊर्जा भंडारण समाधान विकसित करने के लिए भारत की चल रही प्रतिबद्धता में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर हैं।

विद्युत मंत्रालय ने शनिवार को जारी एक बयान में बताया कि तकनीकी-आर्थिक मंजूरी निकाय केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान रिकॉर्ड समय में करीब 7.5 गीगावाट की छह हाइड्रो-पंप स्टोरेज परियोजनाओं को मंजूरी दी है। मंत्रालय के मुताबिक ये छह परियोजनाएं है, ओडिशा में अपर इंद्रावती (600 मेगावाट), कर्नाटक में शरावती (2,000 मेगावाट), महाराष्ट्र में भिवपुरी (1,000 मेगावाट) और भवाली (1,500 मेगावाट), मध्य प्रदेश में एमपी-30 (1,920 मेगावाट) और आंध्र प्रदेश में चित्रावती (500 मेगावाट)।

मंत्रालय के मुताबिक सीईए ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान करीब 22 गीगावॉट की कम से कम 13 पीएसपी को मंजूरी देने की महत्वाकांक्षी योजना बनाई है।

मंत्रालय ने कहा कि इनमें से अधिकांश पीएसपी को 4 साल में और 2030 तक चालू करने का लक्ष्य रखा गया है। इन परियोजनाओं के विकास से देश में ऊर्जा भंडारण क्षमता में भारी वृद्धि होगी, जिससे ग्रिड विश्वसनीयता में बड़ा योगदान मिलेगा। इससे भारत के महत्वाकांक्षी अक्षय ऊर्जा लक्ष्यों को समर्थन मिलेगा। मंत्रालय के मुताबिक यह पीएसपी डेवलपर्स और मूल्यांकन संगठनों (सीडब्ल्यूसी, जीएसआई और सीएसएमआरएस) के सहयोगात्मक प्रयासों का परिणाम है।

केएफसी इंडिया और कैरीमिनाटी ने मिलकर लॉन्च किया नया मजेदार सॉसी पॉपकॉर्न

■ मजेदार सॉसी, क्रंची, आसान और जबरदस्त

नई दिल्ली

केएफसी इंडिया ने भारत के सबसे बड़े जेनरेशन यूट्यूबर कैरीमिनाटी के साथ मिलकर एक नया मेनू पेश किया है। इस अनोखे लॉन्चिंग में केएफसी इंडिया और यूट्यूबर कैरीमिनाटी साथ मिलकर बेहद टेस्टी और फिंगर लिकइन गुड सॉसी पॉपकॉर्न पेश कर रहे हैं।

कंपनी ने शनिवार को एक बयान में बताया कि केएफसी इंडिया और यूट्यूबर कैरीमिनाटी (उर्फ अजय नागर) के साथ मिलकर एक अभूतपूर्व सह-निर्माण किया है, जो एक बिल्कुल नया सॉसी पॉपकॉर्न है। यह केएफसी के लजीज स्वाद को कैरीमिनाटी के ट्रेडमार्क सॉसी व्यक्तित्व के साथ मिलाकर, यह लॉन्च क्यूएसआर उद्योग के भीतर ब्रांड-इन्फ्लुएंसर साझेदारी में एक नई दिशा दिखाता है। एक ऐसा स्नैक जिसे इंटरनेट का फेवरेट इंटरनेट जनरेशन के लिए लेकर आया है।

इस अभूतपूर्व लॉन्च में केएफसी इंडिया और कैरीमिनाटी मिलकर स्वादिष्ट और उंगलियां चाटने लायक सॉसी पॉपकॉर्न तैयार करेंगे। कंपनी ने कहा कि पहली बार एक जेन जेड आइकन केएफसी की किचन में शामिल हुआ है। कंपनी के मुताबिक 67 मिलियन फॉलोअर्स वाले कैरीमिनाटी ने सिर्फ अपना नाम नहीं दिया, बल्कि वह अपनी खास स्टाइल और अपना पसंदीदा स्वाद को केएफसी की किचन में लेकर आए हैं।

केएफसी एक्स कैरीमिनाटी सॉसी पॉपकॉर्न, चिकन पसंद करने वालों के फेवरेट बाइट-साइज चिकन पॉपकॉर्न और कैरी की मजेदार पर्सनैलिटी को एक साथ लाता है, वो भी सबसे जबरदस्त अंदाज में। चिकन पॉपकॉर्न के आइकोनिक स्वाद को कैरी फॉरवर्ड किया गया है। तीखी और चटपटी नैशविल सॉस में टॉस करके-एकदम कैरी वाला ट्विस्ट। ब्रांड के लिए पहली बार सॉसी पॉपकॉर्न एक लिमिटेड एडिशन पैकेजिंग में आया है, जिस पर यूट्यूबर कैरीमिनाटी को फीचर किया गया है।

इसके साथ आता है एक स्पॉर्क, जो कि कैरीमिनाटी का आइडिया है। अपने गेमर दोस्तों के लिए, ताकि वो अपना नया फेवरेट स्नैक बिना गेम रोके और बिना हाथ गंदे किए मज़े से खा सकें। आज से केएफसी एक्स कैरीमिनाटी सॉसी पॉपकॉर्न भारत भर में उपलब्ध है, वो भी सिर्फ लिमिटेड टाइम के लिए। चिकन पसंद करने वाले, कैरीमिनाटी के फैंस, सॉसी लवर्स, और स्नैक पसंद करने वाले-अब इसे सिर्फ 199 रुपये में पाएं।

केएफसी और कैरीमिनाटी का नया ड्रॉप अब भारत के 1200 से भी ज्यादा केएफसी रेस्टोरेंट्स में डाइन-इन और टेकअवे के लिए उपलब्ध है। इसके साथ ही केएफसी ऐप, वेबसाइट https://online. kfc.co.in/ और प्रमुख फूड डिलीवरी ऐप्स पर भी इसे ऑर्डर किया जा सकता है। केएफसी के फैंस और कैरीमिनाटी के चाहने वाले, अभी जाएं और पाएं लिमिटेड-एडिशन सॉसी पॉपकॉर्न।

राजस्थान की टीम इस सीजन अपना पहला मुकाबला जयपुर के मैदान पर खेलने उतरेगी जिसमें उसकी कोशिश जीत हासिल करने पर होगी।

विराट कोहली या संजू सैमसन किसे बनाएं कप्तान? इन 11 प्लेयर्स को दें अपनी टीम में जगह

नई दिल्ली। आईपीएल 2025 का 28वां लीग मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम के बीच में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों ही टीमों को अपने पिछले मुकाबले में हार का सामना करना पड़ा था। आईपीएल 2025 का 28वां लीग मुकाबला राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम के बीच में जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेला जाएगा। राजस्थान की टीम इस सीजन अपना पहला मुकाबला जयपुर के मैदान पर खेलने उतरेगी जिसमें उसकी कोशिश जीत हासिल करने पर होगी। वहीं अभी तक राजस्थान रॉयल्स की टीम ने 5 मुकाबले खेले हैं, जिसमें से उन्हें तीन में हार का सामना करना पड़ा है तो सिर्फ 2 को जीतने में कामयाब हुई है। वहीं दूसरी तरफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु टीम को लेकर बात की जाए तो उनका भी कुछ ऐसा ही हाल देखने को मिला है, जिसमें वह 5 मुकाबले खेलने के बाद तीन में जीते हैं, जबकि 2 में उन्हें हार का सामना किया है। ऐसे में हम आपको इस मैच को राजस्थान रॉयल्स और आरसीबी के बीच होने वाले इस मुकाबले की संभावित ड्रीम11 टीम के बारे में बताने जा रहे हैं।

चार बल्लेबाजों और तीन गेंदबाजों को दें अपनी टीम में जगह

राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच में खेले जाने वाले इस मैच की ड्रीम11 टीम को लेकर बात की जाए तो उसमें आप विकेटकीपर के तौर पर फिल साल्ट के अलावा संजू सैमसन को अपनी टीम में चुन सकते हैं। वहीं अपनी इस ड्रीम11 टीम में आप चार बल्लेबाजों को जगह दे सकते हैं इसमें विराट कोहली, रजत पाटीदार, यशस्वी जायसवाल और रियान पराग का नाम शामिल है। ऑलराउंडर प्लेयर्स के ऑप्शन में आप क्रुणाल पांड्या और नितीश राणा को चुन सकते हैं, जबकि प्रमुख गेंदबाजों में जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार और जोफ्रा आर्चर को चुन सकते हैं। आप अपनी इस टीम में कप्तान के रूप में विराट कोहली को चुन सकते हैं, जिनका बल्ले से अब तक ये सीजन अच्छा रहा है, वहीं उपकप्तान आप यशस्वी जायसवाल को बना सकते हैं।

आरआर बनाम आरसीबी मैच की ड्रीम11 टीम

फिल साल्ट, संजू सैमसन, विराट कोहली (कप्तान), रजत पाटीदार, यशस्वी जायसवाल (उपकप्तान), रियान पराग, क्रुणाल पांड्या, नितीश राणा, जोश हेजलवुड, भुवनेश्वर कुमार, जोफ्रा आर्चर।

सवाई मानसिंह स्टेडियम में दोनों टीमों का ऐसा है हेड टू हेड रिकॉर्ड

जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में खेले जाने वाले दोनों टीमों के बीच इस मुकाबले में यहां पर हेड टू हेड रिकॉर्ड को लेकर बात की जाए तो उसमें राजस्थान और आरसीबी के बीच 9 मुकाबले खेले गए हैं, जिसमें 5 मैचों में राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अपने नाम किए हैं तो वहीं आरसीबी की टीम 4 मैचों को जीतने में कामयाब हुई है।

पहला कालम

पंकज आडवाणी का जलवा, डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैंपियनशिप में जीता रजत पदक

नई दिल्ली। भारत के सबसे दिग्गज क्यू (बिलियर्ड्स और स्नूकर) खिलाड़ियों में शामिल पंकज आडवाणी को डब्ल्यूबीएल विश्व मैचप्ले बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप के फाइनल में डेविड कॉजियर के खिलाफ मामूली अंतर से हार के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। पंद्रह चरण के मुकाबलों के फाइनल में दोनों खिलाड़ियों ने पूरा दमखम दिखाया। आडवाणी ने 2-0 की बढ़त के साथ अच्छी शुरुआत की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी ने आयरलैंड के कार्लो में खेले गए फाइनल मुकाबले में शानदार वापसी की। ब्रिटेन के खिलाड़ी ने आखिरी चरण के मुकाबले को जीतने के साथ ही 8-7 (19-100, 0-100, 100-47, 100-52, 19-100, 100-0, 49-100, 100-3, 34-100, 4-100, 100-85, 31-100, 100-53, 100-43, 100-28) से खिताब अपने नाम कर लिया। आडवाणी अब रविवार से आईबीएसएफ विश्व बिलियर्ड्स में अपने खिताब का बचाव करेंगे उतरेंगे, जिसे वह 2016 से जीतते आ रहे हैं। यह विश्व चैंपियनशिप समयबद्ध प्रारूप में आयोजित की जाएगी, जिसमें दुनिया भर के खिलाड़ियों से बड़े ब्रेक की उम्मीद की जाती है।

फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम: एरिगैसी को फिर मिली हार, फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में नेपोमनियाच्ची से हारे

पेरिस। दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी को यहां चल रहे फ्रीस्टाइल शतरंज ग्रैंड स्लैम में पांचवें से नौवें स्थान के टाईब्रेक के शुरुआती गेम में इयान नेपोमनियाच्ची ने हरा दिया। जर्मनी के युवा ग्रैंडमास्टर विन्सेंट कीमर ने पहले दौर के टाईब्रेकर में नेपोमनियाच्ची को हराकर सराहनीय प्रदर्शन किया। इस साल की शुरुआत में जर्मनी में आयोजित पहले ग्रैंड स्लैम के विजेता कीमर ने अमेरिकी स्टार हिकारू नाकामुरा को काले मोहरों से ड्रॉ पर रोककर प्रभावित करना जारी रखा। भारत की उम्मीदें क्वार्टर फाइनल में खत्म हो गई थीं, लेकिन अर्जुन ने नेपोमनियाच्ची के खिलाफ कुछ अच्छी चाल चलीं। लेकिन रूस का खिलाड़ी काफी संयमित होकर खेला। मैग्नस कार्लसन को अमेरिकी फैबियानो कारुआना ने ड्रॉ पर रोका जबकि नाकामुरा ने कीमर के साथ अंक बांटे।

बिली जीन किंग कप टेनिस: भारत ने जीता लगातार तीसरा मैच, वैदेही-श्रीवल्ली के दम पर चीनी ताइपे को हराया

पुणे। युवा श्रीवल्ली भामिदीपती और वैदेही चौधरी के शानदार प्रदर्शन की बदौलत भारत ने चीनी ताइपे को 2-1 से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की और शुक्रवार को यहां बिली जीन किंग कप एशिया-ओशनिया ग्रुप एक में प्ले-ऑफ स्थान की ओर एक बड़ा कदम बढ़ाया। इस जीत से भारत अंक तालिका में दूसरे स्थान पर पहुंच गया। वैदेही ने फेंग एन लिन को हराकर दो मैचों में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। वैदेही ने दो घंटे नौ मिनट में 6-2, 5-7, 6-4 से जीत दर्ज कर मेजबान टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। दूसरे मैच में श्रीवल्ली ने टूर्नामेंट में अपना बेहतरीन रिकॉर्ड कायम रखा और दुनिया की 207वीं रैंकिंग वाली जोआना गारलैंड के खिलाफ कड़े मुकाबले में लगातार चौथी जीत दर्ज की। 304वीं रैंकिंग वाली श्रीवल्ली ने दो घंटे 38 मिनट में 6-2, 7-6 (7-3) के स्कोर के साथ मुकाबला अपने नाम कर मेजबान टीम के लिए बराबरी सुनिश्चित कर दी। दिन के अंतिम मैच में चीनी ताइपे की युगल जोड़ी ची त्सेन चो और फैंग-हसीन वू ने सुपर टाई-ब्रेक में एक घंटे 31 मिनट में अंकिता रैना और प्रार्थना थोमबरे की भारतीय जोड़ी को 2-6, 6-4, 6-10 से हराया। भारत शनिवार को कोरिया गणराज्य के खिलाफ जीत के साथ अपने क्वालीफिकेशन स्थान को पक्का करना चाहेगा।

महिला कबड्डी विश्व कप: राजगीर में महिला कबड्डी विश्व कप का आयोजन, एक-10 जून तक 14 देशों की टीमें लेंगी भाग

पटना। बिहार में दूसरी बार महिला कबड्डी विश्व कप 2025 का आयोजन होने जा रहा है। इसे लेकर एक समझौता ज्ञापन पर शनिवार को हस्ताक्षर किए गए। शहर के कंकड़बाग इलाके में स्थित पाटलिपुत्र स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित कार्यक्रम में यह समझौता हुआ। एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया की ओर से फेडरेशन के महासचिव जितेन्द्र प्राणसिंह ठाकुर और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण ने हस्ताक्षर किए। इससे पहले बिहार में 2012 में एक से चार मार्च तक पटना के पाटलिपुत्र खेल परिसर में यह आयोजन हुआ था। लेकिन राजगीर के नवनिर्मित स्टेडियम में यह आयोजन पहली बार हो रहा है।

बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक रविंद्र नाथ चौधरी, क्रीड़ा कार्यपालक आनंदी कुमार, खेल विभाग के सहायक निदेशक संजय कुमार, इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के डायरेक्टर तेजस्वी सिंह गहलोत तथा बिहार कबड्डी एसोसिएशन के चेयरमैन कुमार विजय सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। भारतीय महिला कबड्डी टीम की कप्तान सोनाली विष्णु और उप कप्तान पुष्पा राणा भी इस ऐतिहासिक अवसर पर शामिल रहीं। खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने प्रतीक चिन्ह और अंग वस्त्र भेंट कर सभी का अभिनंदन किया।

कार्यक्रम में मौजूद लोगों का अभिनंदन करते हुए बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बिहार में पहली बार महिला कबड्डी विश्व कप का एक से 10 जून तक राजगीर में आयोजन बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है। खेल के क्षेत्र में विकास की सरकार की प्रतिबद्धता के साथ सहयोग और प्रयास के कारण बिहार को कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की आयोजित करने का गौरव प्राप्त हो रहा है।

एक से 10 जून तक राजगीर के राज्य खेल अकादमी में आयोजित होने वाली महिला कबड्डी विश्व कप 2025 में भारत, ईरान, बांग्लादेश, नेपाल, थाईलैंड, हॉलैंड, जापान, पोलैंड, अर्जेंटीना, हंगरी, जर्मनी, केन्या और युगांडा सहित 14 देश की टीमों के शामिल होने की संभावना है।

दर्शकों के लिए मैच देखने की व्यवस्था मुफ्त होगी। लेकिन टिकट पास के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कराकर इसे हासिल करना होगा। जिन्हें पास उपलब्ध नहीं हो पाएगा उनके लिए बाहर बड़े स्क्रीन पर मैच देखने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि महिला कबड्डी विश्व कप में शामिल होने वाली खिलाड़ियों के आने, ठहरने, भोजन और आवासन सहित हर प्रकार की सुविधाओं की सुचारु व्यवस्था बिहार सरकार कर रही है।

उन्होंने एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जितेन्द्र प्राणसिंह से अनुरोध किया कि 15 दिन तक भारतीय टीम का प्रशिक्षण कैंप राजगीर में ही आयोजित की जाए, जिससे भारतीय टीम को यहां के माहौल में ढलने में आसानी होगी। साथ ही बिहार के खिलाड़ियों को भी उनके साथ प्रैक्टिस करने और सीखने का मौका मिलेगा। बिहार के लिए अच्छे प्रशिक्षक और रेफरी के लिए भी आग्रह किया, ताकि बिहार के खिलाड़ी राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर कर सकें।

एमेच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव जितेन्द्र प्राणसिंह तथा इंटरनेशनल कबड्डी फेडरेशन के डायरेक्टर तेजस्वी सिंह गहलोत ने खेल के क्षेत्र में बिहार की निरंतर बढ़ती उपलब्धियों पर प्रसन्नता जाहिर की। उन्होंने भविष्य में बिहार की कबड्डी को हर संभव सहयोग देने के लिए आश्वस्त किया। बिहार की कबड्डी टीम जूनियर लेवल पर काफी अच्छा कर रही है और बेहतर प्रशिक्षण के साथ सीनियर लेवल पर भी काफी अच्छा करेगी।

सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप: यूपी पुलिस के खिलाड़ियों ने जीते सर्वाधिक पदक, बरेली की झोली खाली

बरेली। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स संघ की ओर से रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली में आयोजित दो दिवसीय 28वीं उत्तर प्रदेश सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शुक्रवार को समापन हो गया। अंतिम दिन यूपी पुलिस के खिलाड़ियों ने सर्वाधिक पदक जीते। मेजबान बरेली के खिलाड़ियों ने निराश किया। सिर्फ दो खिलाड़ी ही पदक जीतने में कामयाब हुए। अंतिम दिन बरेली की झोली में कोई पदक नहीं आया। उत्तर प्रदेश एथलेटिक्स एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष नीरज कुमार ने बताया कि खिलाड़ियों की एंट्री और सर्टिफिकेट की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी गई है।

अब प्रत्येक खिलाड़ी को भारतीय एथलेटिक्स संघ की वेबसाइट पर जाकर खुद को पंजीकृत करना होगा। खिलाड़ियों को एक नंबर मिलेगा, जिसके माध्यम से व जिला व राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर सकेंगे। इस व्यवस्था को लागू करने से खिलाड़ियों की उम्र को लेकर किए जा रहे फर्जीवाड़े पर रोक लगाई जा सकती है। पुरस्कार वितरण जिला एथलेटिक्स संघ बरेली के अध्यक्ष जयप्रकाश देवनानी की ओर से किया गया।

कंपाउंड मिश्रित टीम का जलवा, तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में भारत का तीसरा पदक पक्का किया

ऑबर्नडेल (अमेरिका)। ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ यादव की कंपाउंड मिश्रित टीम ने शुक्रवार को स्लोवेनिया को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया जिसके बाद भारत ने तीरंदाजी विश्व कप चरण एक में अपना तीसरा पदक पक्का कर लिया।

ज्योति और ऋषभ ने शुरुआती दौर में स्पेन (156-149) को, क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क (156-154) को हराया और फिर अंतिम-चार दौर में स्लोवेनिया (159-155) को हराया। अब वे शनिवार को फाइनल में चीनी ताइपे से भिड़ेंगे। धीरज बोम्मादेवरा वीजा संबंधी समस्याओं के कारण प्रतियोगिता से कुछ घंटे पहले ही अमेरिका पहुंचे थे। उन्होंने शानदार संयम दिखाया और बृहस्पतिवार को भारतीय पुरुष रिकर्व टीम को फाइनल में पहुंचाया।

पांचवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ी तरुणदीप राय और अतनु दास भी शामिल हैं। टीम ने स्पेन को 6-2 से हराकर देश को सत्र के पहले विश्व कप में दूसरा पदक दिलाया। भारत अब रविवार को स्वर्ण पदक के लिए तीसरी वरीयता प्राप्त चीन से भिड़ेगा। भारत ने बुधवार को कंपाउंड पुरुष टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीतकर अपना खाता खोला था।

चिली में फुटबॉल मैच शुरू होने से पहले दो फैंस की मौत; बेहतरीन कोच में शुमार बीनहैकर का निधन

नई दिल्ली। चिली में दो क्लब की टीमों के बीच मैच शुरू होने से पहले दो फैंस की मौत हो गई। स्थानीय अभियोजक ने बताया कि गुरुवार को मेजबान कोलो कोलो और ब्राजील के फोटालेजा के बीच सैंटियागो के एस्टाडियो मोनुमेंटल के पास कोपा लिबर्टाडोरेस मैच शुरू होने वाला था। इससे पहले दो प्रशंसकों की मौत हो गई। अधिकारियों के मुताबिक, फैंस के एक समूह ने स्टेडियम में जबरन घुसने का प्रयास किया और आयोजन स्थल की एक सुरक्षात्मक बाड़ को तोड़ दिया। पीड़ित कथित तौर पर उनके नीचे फंस गए थे।

बाद में 70वें मिनट में मैदान में फैंस अनियंत्रित हो गए और इस वजह से मैच को स्थगित कर दिया गया। हालांकि यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि यह पहले हुई मौतों से संबंधित था या नहीं। तब स्कोर 0-0 पर था। रिपोर्ट के मुताबिक, स्थानीय प्रशंसकों के एक समूह ने पिच पर वस्तुएं फेंककर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। फोटालेजा के खिलाड़ी लॉकर रूम में छिपने के लिए भागे, जबकि कप्तान एस्टेबन पावेज और आटुरो विडाल के नेतृत्व में कोलो कोलो के खिलाड़ियों ने प्रशंसकों को शांत करने की कोशिश की।

उरुग्वे के गुस्तावो तेजेरा के नेतृत्व में रेफरी टीम ने खिलाड़ियों को सूचित किया और मैच रोक दिया गया है और सभी खिलाड़ी लॉकर रूम में चले गए। बाद में यह घोषणा की गई कि मैच आधिकारिक रूप से स्थगित कर दिया गया है। दक्षिण अमेरिका में फुटबॉल की शासी संस्था ने कहा, 'कोलो कोलो और फोटालेजा के बीच मैच शुरू होने से पहले एस्टाडियो मोनुमेंटल के पास दो प्रशंसकों की मौत पर कॉनमेबोल को गहरा दुख है। हम उनके परिवारों और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।'

लियो बीनहैकर का 82 वर्ष की आयु में निधन

रियल मैड्रिड और दो विश्व कप टीमों के कोच रहे डच फुटबॉल के महान खिलाड़ी लियो बीनहैकर का निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। उन्होंने विश्व कप में दो राष्ट्रीय टीमों का नेतृत्व किया है और रियल मैड्रिड के साथ तीन लीग खिताब भी अपने नाम किया था। एम्स्टर्डम क्लब ने गुरुवार देर रात उनके निधन की घोषणा करते हुए एक बयान में कहा, 'बीनहैकर एक कोचिंग आइकन और अयाक्स में एक शानदार व्यक्तित्व थे।' हालांकि, उनके निधन का कारण नहीं बताया गया। उन्होंने 1970, 80 और 90 के दशक में अयाक्स क्लब को कोचिंग दी और उसके साथ दो डच लीग खिताब जीते।

सिगरा स्टेडियम | **सर्वाधिक 200 खिलाड़ी तैराकी में जबकि सबसे कम जिमनास्टिक्स में 75 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है।**

सिगरा स्टेडियम में होंगे 11 प्रकार के खेल, 1255 खिलाड़ी लेंगे प्रशिक्षण

वाराणसी। सिगरा के डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 11 खेलों में 1255 खिलाड़ी प्रशिक्षण लेंगे। क्षेत्रीय खेल कार्यालय ने खिलाड़ियों की सूची जारी कर दी है। क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी विमला सिंह ने बताया कि स्टेडियम में दो सत्र में ट्रेनिंग दी जाएगी। सर्वाधिक 200 खिलाड़ी तैराकी में जबकि सबसे कम जिमनास्टिक्स में 75 खिलाड़ियों ने पंजीकरण कराया है। बताया कि एक कोच अधिकतम 40 खिलाड़ियों को ही प्रशिक्षण दे सकते हैं। इसके लिए बड़ी संख्या में खिलाड़ियों ने प्रवेश फॉर्म खरीदा है। खिलाड़ियों को ट्रायल के आधार पर ही प्रवेश दिया जा रहा है। तैराकी में अंडर-12 आयुवर्ग के 200 प्रशिक्षुओं ने प्रवेश लिया है।

वर्ल्ड कप किक बॉक्सिंग की उपविजेता बनी पूजा

थाईलैंड में खेली गई वर्ल्ड कप किकबॉक्सिंग में वाराणसी की पूजा पटेल उपविजेता बनी हैं। 50 किलो भारवर्ग में, फाइनल में उन्हें उज्बेकिस्तान की खिलाड़ी ने हरा दिया। कोच गोपाल बहादुर शाही ने बताया कि पूजा अपने मेहनत के दम पर वहां तक पहुंची हैं। बनारस आने पर उनका स्वागत किया जाएगा।

प्रादेशिक शतरंज प्रतियोगिता में वाराणसी के स्वर श्रीवास्तव ने कांस्य पदक जीता है। प्रतियोगिता सीतापुर में 7 से 9 अप्रैल तक खेली गई। वाराणसी जिला शतरंज एसोसिएशन के मानद सचिव विजय कुमार ने बताया कि अंडर-11 में वाराणसी के खिलाड़ी ने सात चक्रों की बाजी खेली। साढ़े पांच अंक के साथ स्वर तीसरे स्थान पर रहे।

17 को होगा प्रादेशिक हॉकी टीम का चयन

सातवां खेलो इंडिया यूथ गेम्स सात मई से बिहार के राजगीर में खेला जाएगा। हॉकी यूपी के महासचिव डॉ. आरपी सिंह ने बताया कि चयन ट्रायल 17 अप्रैल को लखनऊ के मोहम्मद शाहिद हॉकी स्टेडियम में होगा।

पेनल्टी कॉर्नर से गोल कर रोशनी ने दिलाई जीत

हॉकी वाराणसी की ओर से आयोजित शिविर में खिलाड़ियों ने अभ्यास मैच खेला। इसमें रोशनी के पेनल्टी कॉर्नर से गोल की बदौलत विकास क्लब ने एलबीएस क्लब को एक गोल से हरा दिया। मैच का पहला हाफ, गोल रहित बराबरी पर छूटा। दूसरे हाफ में दोनों टीमों ने आक्रामक खेल दिखाया। मैच का एकमात्र गोल रोशनी पटेल ने 17वें मिनट में किया। यहां सेवन ए साइड मैच में 20-20 मिनट का दो हाफ खेला गया।

शतरंज प्रतियोगिता में खेलेंगे ढाई सौ खिलाड़ी

ओपेन रैपिड शतरंज प्रतियोगिता 14 अप्रैल को जगतगंज स्थित एक होटल के बैंक्वेट हॉल में खेली जाएगी। एसकेवीटी किंग्स चेस एकेडमी की ओर से इस प्रतियोगिता में देश के कई राज्यों के ढाई सौ से अधिक खिलाड़ी खेलेंगे।

आयोजन सचिव विनित राज तिवारी ने बताया कि इस प्रतियोगिता में वाराणसी के अलावा दिल्ली, कोलकाता, बंगलूरु, हैदराबाद, सहित कई राज्यों व जनपदों खिलाड़ी खेलेंगे। इसमें इंटरनेशनल मास्टर खिलाड़ी आर्यन वार्ष्णेय भी शामिल होंगे। प्रथम स्थान पाने वाले खिलाड़ी को एक लाख ग्यारह हजार रुपये पुरस्कार दिया जाएगा। ओपेन, महिला, वरिष्ठ नागरिक और कनिष्ठ आयु वर्ग की 5 कैटेगरी में ट्रॉफी व मेडल्स दिये जाएंगे।

कोलकाता के फुटबॉल स्टेडियम की तर्ज पर वाराणसी में अंतरराष्ट्रीय स्तर का फुटबॉल स्टेडियम शिवपुर में बनेगा। इसका ब्लूप्रिंट भी तैयार हो चुका है। इसकी आधारशिला प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रखेंगे। वाराणसी में फुटबॉल 1938 से व्यवस्थित रूप से खेली जा रही है।

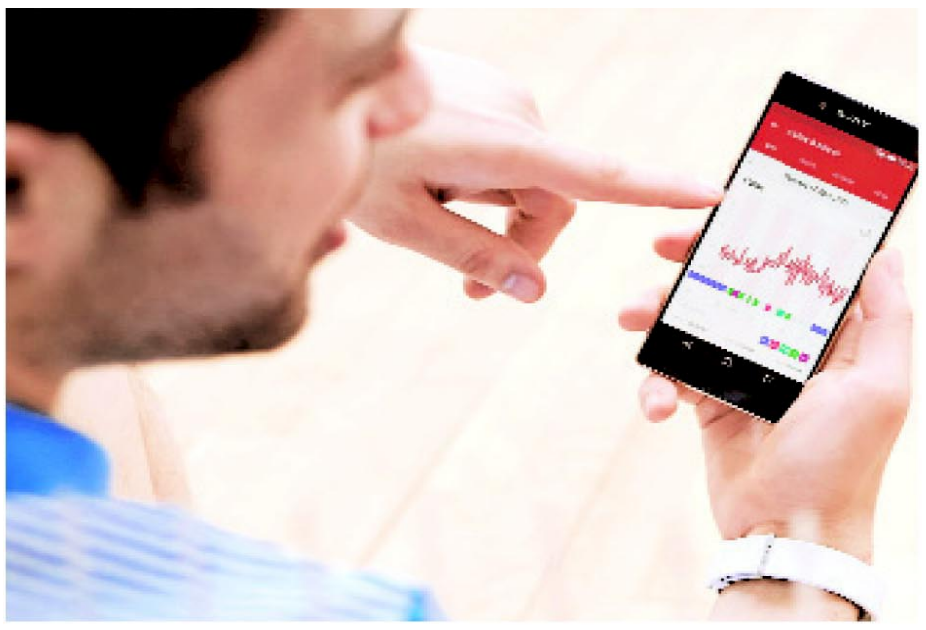

बिना वजह क्यों होता है मोबाइल के वाइब्रेशन का अहसास

मोबाइल फोन आजकल एक आवश्यक आवश्यकता बन चुका है। हर शख्स अपने आप को मोबाइल फोन के साथ कंफर्टेबल और सुरक्षित महसूस करता है। पर ऐसे में कुछ अजीबो गरीब बीमारियां भी पनप रही हैं जिनका रिश्ता सिर्फ मोबाइल फोन से ही है। ऐसी ही एक बीमारी के बारे में हम यहां जिक्र कर रहे हैं।

बिना बजे ही लगता है फोन कर रहा है वाइब्रेट

हाल ही में सामने आए एक अध्ययन में एक बीमारी का पता चला है। इस बीमारी में आपका फोन वाइब्रेट नहीं होगा, लेकिन बार-बार आपको ऐसा एहसास होगा कि आपका फोन या आसपास कोई दूसरा फोन वाइब्रेट हो रहा है। शेधकर्ताओं का कहना है कि मोबाइल फोन का इस्तेमाल करने वाले लगभग नब्बे प्रतिशत लोगों को अक्सर कपड़ों में सरसराहट या मांसपेशियों में ऐंठन होने से बार-बार ऐसा लगता है जैसे उनका या उनके आसपास का कोई मोबाइल वाइब्रेट हो रहा हो। वास्तविकता में ऐसा कुछ नहीं होता चेक करने के बाद ये अहसास होता है कि ये उनकी गलतफहमी थी। इस डिसीज को नाम दिया गया है फैंटम वाइब्रेशन सिंड्रोम। हालाकि इस अध्ययन में यह भी पता चला है कि ज्यादातर लोग जिनमें यह लक्षण पाया गया है, उन्हें इस बीमारी से कोई खास फर्क नहीं पड़ता है।

ऐसा ही होता है पैरीडोलिया में भी

इसी तरह का अहसास होने पर इस बीमारी को पैरीडोलिया नाम भी दिया गया है। पैरीडोलिया में भी आपका दिमाग ऐसी चीजों के बारे में सोच लेता है जो दरअसल होती ही नहीं हैं। जैसे बिना मतलब वाइब्रेशन को महसूस करना, ऐसा विशेष रूप से तब होता है जब हम फोन को वाइब्रेशन पर लगा देते हैं और अचानक हमारा फोन किसी ना किसी वजह से वाइब्रेट करता है। इसके बाद जब हमारा दिमाग किसी एक्टिविटी में बिजी होता है और आपके अवचेतन में ये बात होती है कि फोन फिर वाइब्रेट होगा और उसी वजह से बिना किसी वजह के आपको लगता है कि फोन वाइब्रेट हो रहा है। ये कोई हैल्यूसिनेशन नहीं है बल्कि यह आपके दिमाग का फोन के प्रति बिना अहसास के ज्यादा सचेत हो जाना है।

गर्मी दूर भगाने के लिए इस तरह करें शीतली प्राणायाम

जैसा नाम वैसा काम। ये कहावत शीतली प्राणायम के लिए एकदम सटीक बैठती है। शीतली प्राणायाम से गर्मी के मौसम में राहत पाई जा सकती है। शीतली प्राणायाम प्राणायाम ना केवल शीतलता प्रदान करता है बल्कि मन की शांति भी देता है। शरीर को ठंडक पहुंचाने के कारण इसे कूलिंग ब्रीथ कहा जाता है। इस प्राणायाम को सभी योगासन को करने के बाद सबसे अंत में किया जाना चाहिए क्योंकि ऐसा करने से सभी योगासनों को करने की थकान दूर होकर पूरे शरीर में ठंडक का एहसास होता हैं। इस प्राणायाम से सम्पूर्ण शरीर यंत्र को ठंडक प्राप्त होती है और कान एवं नेत्र को शक्ति मिलती है।

शीतली प्राणायाम करने से पहले स्नान कर लेना चाहिए। आसन और प्राणायाम के बाद स्नान करना चाहें तो कम से कम आधे घंटे का अंतराल रखें ताकि इस दौरान रक्त का संचार सामान्य हो जाए। यह प्राणायाम हर मौसम में हर जगह आसानी से किया जा सकता है। प्राणायाम का अभ्यास होने के बाद गर्मी के मौसम में इसकी अवधि आवश्यकता अनुसार बढ़ा सकते हैं।

शीतली प्राणायाम की खास बात ये है इसमें आप किसी एक प्रकार की अवस्था में बैठने के लिए बाध्य नहीं होते। दोनों हाथों की अंगुलियों को ज्ञान मुद्रा में दोनों घुटनो पर रखें, आंखें बन्द करें। उसके बाद अपनी जीभ को नली के समान बना लें अर्थात गोल बना लें और मुंह से लम्बी गहरी श्वास आवाज के साथ भरें।

फिर इस नली के माध्यम से ही धीरे-धीरे मुंह से सांस लें। इसके बाद जीभ अंदर करके सांस को धीरे-धीरे नाक के द्वारा बाहर निकालें। हवा नलीनुमा इस ट्यूब से गुजरकर मुंह, तालु और कंठ को ठंडक प्रदान करेगी। याद रहें कि श्वास बाहर निकालने का समय श्वास लेने के समय से ज्यादा हो। यानी जीभ के सहारे श्वास को धीरे-धीरे अंदर लेना भी है और स्वास छोड़ते वक्त श्वास और धीरे से छोड़ना है।

प्राणायाम के समय सांस लयबद्ध और गहरी होना चाहिए। शीतकारी प्राणायाम में मुंह बंद कर दंत पंक्तियों को मिलाकर मुंह से श्वास लेते हैं और नाक से ही श्वास छोड़ते हैं। प्रदूषित जगह में इस प्राणायाम का अभ्यास न करें। कम से कम 10 चक्रों का अभ्यास करें। अभ्यस्त होने पर 5 से 10 मिनट तक अभ्यास करें।

इसके अभ्यास से मानसिक उत्तेजना एवं उदासीनता दोनों दूर हो जाती हैं। मस्तिष्क के स्नायु, नाड़ी संस्थान तथा मन शांत हो जाता है। यह प्राणायाम अनिद्रा, उच्च रक्तचाप, हृदयरोग और अल्सर में रामबाण का काम करता है। चिड़चिड़ापन, बात-बात में क्रोध आना, तनाव तथा गर्म स्वभाव के व्यक्तियों के लिए यह विशेष लाभप्रद है।

जो लोग खाते रहने की आदत से परेशान हैं उन्हें ये प्राणायाम जरूर करना चाहिए क्योंकि ये गैर जरूरी भूख कम करता है। ये प्राणायाम ब्लडप्रेशर कम करता है। एसीडिटी और पेट के अल्सर तक में आराम मिलता है।

प्राणायाम के अभ्यास के बाद शवासन में कुछ देर विश्राम करें। जहां तक संभव हो सूर्योदय या सूर्यास्त के समय ही यह प्रणायाम करें।

कलाई में दर्द होने पर ऐसे पाएं छुटकारा

घर हो या ऑफिस सारा दिन काम करते-करते हमारे हाथों में थकान महसूस होने लगती है,पर इस दर्द का असर सिर्फ हाथों पर ही नहीं ब्लकि हमारी कलाइयों पर भी पड़ता है। कलाइयों में होने वाले दर्द से कई बार पूरी बाजू काम करना बंद कर देती है।अगर दर्द ज्यादा हो तो डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। कुछ घरेलु उपायों को अपनाकर आप कलाइयों के दर्द को कम कर सकते है।

- अगर कलाइयों में दर्द हो रहा हो तो किसी अच्छे तेल से मालिश करने से दर्द से राहत पाई जा सकती है। पुदीने के तेल में ऑलिव ऑयल मिलाकर इस तेल से मालिश करने से दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है।
- कलाइयों में दर्द होने पर आलू को उबालकर उसको अच्छी तरह मैश करके कलाई पर बांधने से दर्द से राहत पाई जा सकती है।

- बैंड का इस्तेमाल करके भी आप कलाइयों के दर्द से राहत पा सकते है।बैंड को बांधकर रखने से कलाइयों को आराम मिलता है।
- बर्फ के टुकड़े से सेंक करने से कलाइयों के दर्द और सूजन से छुटकारा पाया जा सकता है।
- हमेशा कलाइयों को थोड़ी ऊंचाई पर रख कर सोना चाहिए। अपनी बाजुओं को तकिए पर रखकर हल्का खींचे और दर्द की स्थिति में हाथों का अधिक इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।
- पानी ज्यादा पीने से शरीर में मौजूद विषैले तत्त्व बाहर निकल जाते है, दर्द से भी छुटकारा पाया जा सकता है।

आज की इस भाग दौड़ और प्रदूषण से भरी जिंदगी मे हर महिला ऐसी होगी जो सुन्दर दिखना चाहेगी, और वो भी बिना पार्लर गए और बिना समय गवाए। इस सर्द मौसम मे अगर आप अपने चेहरे के अनचाहे बालो से छुटकारा चाहती है तो कुछ घरेलू नुस्खे जरूर आजमाकर देखे।

चेहरे के अनचाहे बालों से कैसे पाएं निजात

मसूर का दाल

मसूर की दाल रातभर पानी मे भिगो के रखे फिर उसे सुबह थोड़ा दरदरा पीस ले और चेहरे पर 10 मिनिट लगा कर पूरी तरेह सूखने से पहले हाथो से मलकर निकाल दे, इससे आपको अनचाहे बालो से छुटकारा मिलेगा, अगर आपकी त्वचा रूखी हो तो उसमे आप मलाई या ग्लिसरीन मिला के भी लगा सकती है।

नारियल

गुनगुने नारियल के तेल मे थोड़ी सी हल्दी मिलाकर चेहरे पर मले आपको अनचाहे बालो से निजात मिलेगी और आपका चेहरा चमक उठेगा।

बेसन हल्दी

बेसन मे थोड़ी हल्दी ओर दूध मिलाकर लगाने से आपको अपने चेहरे के अनचाहे बालो को छुपाने के लिए आपको कभी पार्लर जाकर ब्लीच करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

पपीते

हल्दी और कच्चे पपीते को पीसकर पेस्ट बनाकर 15 मिनिट लगाके उसे हल्के हाथ से मलके पानी से धो ले, यह बालो को समाप्त करने के लिए अच्छा उपाय है। चेहरे पर बदलाव देखने के लिए सप्ताह मे एक बार जरूर लगाए।

नमक पानी

पानी मे नमक डालकर कॉटन मे भिगो के इसे चेहरे पर मसाज करे, ऐसा आप प्रतिदिन लगाएंगे तो बाल चेहरे से हट जाएंगे।

शहद, दलिया

एक चम्मच शहद, दलिया और नींबू को मिला ले, फिर उसे चेहरे पर लगाके कमसेकम 15 मिनिट लगाए, फिर सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो ले। अगर आप यह चीज सप्ताह मे 2-3 बार करेंगें तो अच्छा परिणाम मिलेगा।

अंडे

1 अंडे की सफेदी ले, चीनी का 1 चम्मच, मकई का आटा 1 चम्मच डाले, फिर उसको मिलाके चेहरे पर 15 मिनिट रेहने दे। इसके बाद ठन्डे पानी से धो लें, आपके चेहरे पैर ताजगी रहेगी और साथ ही चमक भी।

तुलसी

तुलसी के 8-10 पत्तियां और प्याज का पेस्ट बना के चेहरे पर लगाए, कमसेकम 10 मिनट रख के पानी से धो ले। अच्छे परिणाम के लिए इसे सप्ताह मे 2 से 3 बार लगाएं। तो ये थे आपकी सुंदरता बढ़ाने के लिए प्रकृति के खजाने से चुराए हुए कुछ खास नुस्खे सिर्फ आपके लिए, इसे इस्तमाल करने के बाद हर किसी की नजर आप पर ही होगी।

इससे से बना जाता है बुद्धिमान

अखरोट: जैसे यह दिखता है बस वैसे ही दिमाग होता है। इस में विटामिन ओमेगा 3ह्य भरपूर होता है, साथ में विटामिन श्व होता है। यह फल दिमाग के लिए सबसे बेहतरीन है।

ब्रॉकोली: यह हरी फुल गोभी है। इस में विटामिन च होता है, जो दिमाग को अच्छा पोषण देते है। संज्ञानात्मक समारोह में वृद्धि करता है और दिमाग की शक्ति भी बढाता है।

कद्दू के बीज: आप जब भी कद्दू की सब्जी बनाते होंगे तो बिज कचरे में डाल देते होंगे। किंतु यह एक मुट्ठी बिज अगर आप नियमित खाते है तो दिमाग को जिंक का पोषण मिलेगा। इससे दिमाग तेज और तंदरुस्त होगा।

मछली: कुछ मछलियां होती है जिन में ओमेगा3 का प्रमाण अच्छा खासा होता है। जो सीधे तरीके से शरीर में घुलता है और दिमाग को पोषण देता है। स्वस्थ दिमाग के लिए टमाटर, ब्रोकली, गाय का दूध, अखरोट जरूरी होते है, ये खाने से बना जाता है बुद्धिमान! खान पान बदल रहा है। लोग अधिकतर रेडी मेड फूड को अपना रहे है। इन खानों में वो पदार्थ होते है जो आपके दिमाग को तेज नहीं मंद करने में कारगर होते है। इस लिए ताजा फल, हरी सब्जी खाने से बेहद फायदा होगा। अगर दिमाग तंदरुस्त रहेगा तो ही आप का शारीर ठीक चलेगा और दिमाग सही वक्त पर बेहतर निर्णय लेगा, स्वस्थ शारीर में ही स्वस्थ दिमाग का निवास होता है।

कैंसर से बचने के लिए फायदेमंद है लहसुन

रसोई घरों में प्रयोग किया जाने वाला लहसुन गुणों की खान है। इसमें जुकाम, फ्लू, रक्तचाप, कैंसर से बचाव के गुण पाए जाते हैं। यह बहुत-सी बीमारियों को दूर करने में मदद करता है और यह एक गुणकारी दवा भी है।कोलेस्ट्रॉल और डायबिटीज में लहसुन को खाना बहुत फायदेमंद माना जाता है। आयुर्वेद में लहसुन को चमत्कारी दवा माना जाता है। अधिकतर चिकित्सक डाइट में लहसुन के सेवन को फायदेमंद बताते हैं। आइए, अब हम आपको लहसुन के फायदे बताते हैं।

दिल के लिए लाभदायक: लहसुन शरीर में बैड कोलेस्ट्रोल को कम करके गुड कोलेस्ट्रोल के स्तर को बढ़ाने का काम करता है। हाई ब्लडप्रैशर को दूर करने में भी यह अत्यंत लाभदायक है। उच्च रक्तचाप को कंट्रोल में रखने के लिए भी यह बहुत फायदेमंद सिद्ध हुआ है। इसकी मौजूदगी के कारण एलिसिन नामक तत्व हाई बीपी को सामान्य रखते हैं।

रक्त संचार को ठीक रखने में: गाढ़े खून को पतला करने में लहसुन बहुत उपयोगी दवा है। यह गाढ़े खून को पतला करके शरीर में रक्त प्रवाह ठीक ढंग से बनाए रखता है। जिससे आप सामान्य बीमारियों से बचे रहते हैं।

कैंसर से लड़ाई लड़ने में: लहसुन का एक गुण यह भी है कि यह कैंसर जैसे गंभीर रोग से लड़ने में भी का सहायता करता है। कैंसर एक बहुत ही भयानक रोग है। यदि कैंसर के रोगी लहसुन का सेवन करे तो वह कैंसर से बच सकते हैं। डॉक ?टर पैनिक्रयाज, कोलोक्टोरल, ब्रेस्ट और प्रोस्टेट कैंसर में लहसुन खाने की सलाह देते हैं।

ठंड से बचाव करने में: लहसुन की तासीर गर्म होती है, इसलिए इसका अधिकतर प्रयोग सर्दियों में किया जाता है। क्योंकि ठंड के दिनों में लहसुन के सेवन से सर्दी नहीं लगती। ठंड के दिनों में गाजर, अदरक और लहसुन का जूस बनाकर पीने से शरीर को एंटीबायोटिक्स मिलते हैं। जिससे ठंड कम महसूस होती है।

दांत दर्द से राहत: इसका इस्तेमाल दांत दर्द से राहत देता है। लहसुन को लौंग के साथ पीसकर लगाने से दर्द कम होता जाता है।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**